TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday | tnftoday
www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition
मौत बनकर दौड़ा कैंटर, दो की गई जान (पेज-3)
पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-23 | मूल्य ₹7 | बुधवार | दिनांक- 22.07.2026

337 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत हुआ आयोजन

टीएनएफ टुडे, फीरोजाबाद।

एक ओर जहां गूंजते वेद मंत्रों, संस्कृत के श्लोक और संगीत के मधुर स्वरों के बीच हिंदू जोड़ों ने सात फेरे लिए, वहीं दूसरी ओर पवित्र आयतों की तिलावत के साथ निकाह की रस्म पूरी की गई। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मंगलवार को 337 जोड़े जब परिणय सूत्र में बंधे तो यह अनुपम दृश्य हर किसी के दिल को छू गया। शायद ही इन गरीब परिवारों और नव दंपतियों ने कभी कल्पना की होगी कि उनकी शादी का यह पवित्र समारोह इतने भव्य और सम्मानजनक तरीके से जेएमआर रिजॉर्ट इनदूमई में आयोजित किया जाएगा।

माननीय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रशासन द्वारा यह निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि गरीब परिवारों को सम्मान और अधिकार मिले। जिसके वह सही मायनों में हकदार है। जिला प्रशासन ने पूरी संवेदनशीलता और आत्मीयता के साथ इन बेटियों के विवाह का आयोजन संपन्न कराया। इस भव्य आयोजन में 274 हिंदू परिवार की बेटियों का विवाह कराया गया। जबकि 63 मुस्लिम परिवारों की बेटियों का निकाह संपन्न कराया गया।

सरकार द्वारा प्रत्येक जोड़े के लिए एक लाख धनराशि की व्यवस्था की गई। इसमें 64 हजार सीधे कन्या के खाते में जमा किए जाएंगे। जबकि 21 हजार की उपहार सामग्री प्रदान किए जाते हैं। टूंडला विधायक प्रेमपाल धनगर ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से सरकार का यह प्रयास है कि गरीब बेटियों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव उपस्थित हो। मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने कहा कि नव दंपति अपने जीवन में सद्भाव और सहयोग के साथ जीवन यापन करेंगे। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों से आई छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता, परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी, उपनिदेशक कृषि सत्येंद्र सिंह, डीसी मनरेगा तूलिका श्रीवास्तव, बीएसए अनिल कुमार, खंड विकास अधिकारी नवीन कुमार आदि उपस्थित रहे।

सिक्किम टनल हादसे में 13 की मौत

मीथेन गैस के बीच 25 मजदूरों की तलाश जारी, संकरी सुरंग बनी मुसीबत

एजेंसी, नई दिल्ली।

सिक्किम के नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में हुए भूस्खलन के बाद राहत और बचाव अभियान दूसरे दिन भी लगातार जारी है। बचाव दल बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सुरंग के भीतर फंसे मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे बड़ी मुश्किल सुरंग के अंदर जमा मीथेन गैस, ऑक्सीजन की कमी, कम दृश्यता और संकरी सुरंग बन गई है। इन्हीं कारणों से राहत कार्य लगातार प्रभावित हो रहा है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के डीआईजी मोहसिन शाहेदी ने बताया कि अब तक कुल 13 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 25 मजदूर अब भी लापता हैं। बचाव अभियान फिलहाल सुरंग के 200 मीटर के उस हिस्से पर केंद्रित है, जहां मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, सुरंग के अंदर करीब 1.5 किलोमीटर की दूरी पर बड़ी मात्रा में मीथेन गैस जमा हो गई थी।

माना जा रहा है कि यह गैस भूमिगत चट्टानों और प्राकृतिक परतों से निकलकर सुरंग में इकट्ठा हुई। गैस को बाहर निकालने की कोशिश के दौरान विस्फोट हुआ, जिसके बाद भूस्खलन हुआ और सुरंग का एक हिस्सा मलबे से बंद हो गया। हादसे के तुरंत बाद कुछ मजदूर बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन कई मजदूर सुरंग के भीतर

एनडीआरएफ की चार टीमें रोटेशन में काम में जुटी

एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसिन शाहेदी ने बताया कि घटना की सूचना सोमवार दोपहर करीब 3 बजे एनडीआरएफ को मिली। इसके तुरंत बाद पाक्योंग स्थित रीजनल रिस्पॉन्स सेंटर से टीम को रवाना किया गया। यह केंद्र घटनास्थल से करीब 40 किलोमीटर दूर है। टीम शाम करीब 5 बजे मौके पर पहुंची, हालात का आकलन किया और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि शुरूआती बचाव में एक मजदूर को बाहर निकाला गया था, लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मंगलवार तक दो शव पहले ही बरामद हो चुके थे और आज 11 अन्य शव निकाले गए। इस तरह अब तक कुल 13 शव बरामद किए जा चुके हैं। फिलहाल 25 मजदूर लापता बताए जा रहे हैं। डीआईजी ने बताया कि घटनास्थल पर एनडीआरएफ की चार टीमें तैनात हैं, जो रोटेशन के आधार पर लगातार काम कर रही हैं। राहत अभियान संयुक्त रूप से चलाया जा रहा है और सुरंग के 200 मीटर के दायरे में फंसे लोगों की तलाश जारी है।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज पर भड़के बॉलीवुड सितारे

सोनाक्षी सिन्हा से लेकर रितेश देशमुख ने उठाए सवाल

एजेंसी, मुंबई।

सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के संसद मार्च के दौरान पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस घटना के बाद बॉलीवुड के कई सितारों का गुस्सा सोशल मीडिया पर साफ नजर आ रहा है। रितेश देशमुख, वीर दास, विजय वर्मा और सोनाक्षी सिन्हा जैसे सितारों ने छात्रों का समर्थन करते हुए इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है।

रितेश ने कहा, युवा हमारे देश की धड़कन हैं

अभिनेता और निर्देशक रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखते हुए लिखाः "हम अपने देश के युवाओं के साथ मजबूती से खड़े हैं। उनकी आवाज बिना किसी डर के, पूरी स्पष्टता से सुनी जानी चाहिए। वे हमारे लोकतंत्र की धड़कन हैं और देश के भविष्य के असली निमार्ता हैं।" उन्होंने प्रशासन से अपील की कि वे बल प्रयोग करने के बजाय छात्रों से बातचीत का रास्ता अपनाएं और उन्हें सशक्त बनाएं।

चुपचाप भी अनफॉलो कर सकते होः विजय

अभिनेता विजय वर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रोटेस्ट की कई तस्वीरें और वीडियो री-पोस्ट किए। एक तस्वीर में पुलिसकर्मी को लाठी उठाए देखा जा सकता है, जिसे शेयर करते हुए उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में अपनी फिल्म Eeb Allay Ooo! का जिक्र किया। इसके साथ ही, उन्होंने उन लोगों को भी करारा जवाब दिया जो उनके इस स्टैंड के कारण उन्हें अनफॉलो करने की धमकी दे रहे थे। विजय ने कूल अंदाज में लिखा, 'चुपचाप भी अनफॉलो कर सकते हो.. सब बताना नहीं होता।' अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने भी सोमवार को हुए इस घटनाक्रम की दिल दहला देने वाली तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने अपनी संवेदनाएं और गुस्सा जाहिर करते हुए लिखा, "20 जुलाई को बहुत से लोगों की हड्डियां टूटीं और एक पूरे देश का दिल टूटा। याद रखना।"

वीर दास ने कलाकारों के 'पाखंड' पर साधा निशाना

स्टैंड-अप कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपने ट्वीट में बिना किसी का नाम लिए कलाकारों के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि अगर आप एक लाइव परफॉर्मर हैं और फिर भी देश के युवाओं के मुद्दों पर चुप रहते हैं, तो बाद में उन्हीं युवाओं को अपने शो के टिकट बेचना पाखंड है। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना यह पोस्ट डिलीट कर दिया। लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा अब किसी राजनीति या पार्टी का नहीं, बल्कि सीधे तौर पर युवाओं का है।

पीएम आवास पर कांग्रेस का प्रदर्शन

राहुल, प्रियंका सहित कई कांग्रेसी गिरफ्तार

नीट मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री आवास के बाहर हुए कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें साझा कर पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए और सरकार पर लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन का आरोप लगाया। पार्टी का कहना है कि वह छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई और नीट मामले पर संसद में चर्चा की मांग कर रही है।

- पुलिस ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कई अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में लेकर हटाया

एजेंसी, नई दिल्ली।

पेपर लीक और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता संसद परिसर से मार्च करते हुए प्रधानमंत्री आवास के निकट 7 लोक कल्याण मार्ग पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया।

प्रियंका गांधी समेत तमाम नेताओं को पीएम आवास के बाहर से हटा दिया गया है और सभी को दिल्ली पुलिल बस में भरकर ले गई है। खिलेश यादव और राहुल गांधी को पुलिस ने धरना स्थल से हटा लिया गया है।

राहुल गांधी की नाक से निकलता दिखा खून

वीडियो में राहुल गांधी पुलिस के साथ जाने का विरोध करते दिखाई देते हैं। उनके चारों ओर सुरक्षा कर्मी मौजूद हैं और उन्हें वहां से हटाने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस ने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें पुलिस कार्रवाई के बाद राहुल गांधी की नाक से खून निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

ऐसे शुरू हुआ था प्रदर्शन

दिल्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कई अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में लेकर वहां से हटाया था। राहुल गांधी ने कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों सहित कांग्रेस के कई नेताओं के साथ मंगलवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे प्रदर्शन शुरू किया था। यह प्रदर्शन एक दिन पहले नीट मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में किया गया। इससे पहले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को नीट मुद्दे पर सीजेपी के नेतृत्व में हुए मार्च के दौरान घायल हुए छात्रों से मुलाकात की थी। कांग्रेस लगातार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। पार्टी नीट मुद्दे पर संसद में चर्चा और पुलिस कार्रवाई में घायल छात्रों को न्याय देने की भी मांग कर रही है।

सरकार ने क्या कहा?

वहीं, प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के साथ प्रदर्शन स्थल पर राहुल गांधी से मुलाकात की और उनसे धरना समाप्त करने का आग्रह किया। जितेंद्र सिंह का दावा है कि राहुल गांधी ने शुरूआत में कहा था कि अगर सरकार संसद में नीट मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए तैयार हो जाए तो वह प्रदर्शन समाप्त कर देंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा चर्चा के लिए सहमति जताने के बाद राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की नई शर्त जोड़ दी। जितेंद्र सिंह ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र की हर परंपरा के खिलाफ बताया। हालांकि, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उनका प्रदर्शन छात्रों के खिलाफ हुई कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में था और सरकार संसद में इस मुद्दे पर चर्चा से बच रही है।

छात्रों को न्याय मिलना चाहिएः राहुल

राहुल गांधी ने प्रदर्शन के दौरान देशवासियों से धरने में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े सवाल हर भारतीय परिवार से जुड़े हैं। राहुल ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की प्रदर्शन समाप्त करने की अपील को अस्वीकार करते हुए धरना जारी रखने का ऐलान किया।

प्रियंका गांधी ने पुलिस बस में चढ़ने से किया इनकार

कांग्रेस द्वारा जारी एक अन्य वीडियो में पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा पुलिस बस के दरवाजे पर खड़ी दिखाई देती हैं और बस में चढ़ने से इनकार करती हैं। वीडियो में पुलिसकर्मी उन्हें हिरासत में लेने के दौरान बस के भीतर ले जाने की कोशिश करते नजर आते हैं, जबकि प्रियंका इसका विरोध करती दिखाई देती हैं। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी और अन्य नेताओं को पुलिस द्वारा हटाए जाने की कई तस्वीरें भी साझा की हैं।

केजरीवालः पहले अस्पताल फिर पहुंचे पुलिस स्टेशन

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को अस्पताल में छात्रों से मिले और हिरासत में लिए गए युवाओं को थानों से छुड़ाने पहुंचे। केजरीवाल ने दावा किया कि उन्होंने अलग-अलग थानों से गिरफ्तार किए 70 से 80 लोगों को छुड़वाया। इसके बाद उन्होंने जंतर मंतर जाकर धरने पर बैठे युवाओं से मुलाकात की।

आरएमएल में की घायल बच्चों से मुलाकात

अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के साथ आरएमएल अस्पताल पहुंचे। केजरीवाल ने कहा कि कई घायल बच्चों और पुलिस वालों को यहां आरएमएल अस्पताल में लाया गया था। अस्पताल की ओर से उन्हें बताया गया है कि एक बच्ची को छोड़कर बाकी सभी घायल बच्चे और पुलिस वाले डिस्चार्ज हो चुके हैं। बच्ची आईसीयू में है। उन्होंने बच्ची के परिवार से मिलकर उसके कुशलक्षेम की प्रार्थना की।

दो थाने पहुंचे केजरीवाल

इसके बाद केजरीवाल मंदिर मार्ग थाने और संसद मार्ग थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि मंदिर मार्ग थाने में सोमवार से लगभग 11 बच्चों को हिरासत में रखा हुआ है। उन्होंने पुलिस से युवाओं को हिरासत में रखे जाने, छोड़ने या उन पर एफआईआर करके गिरफ्तार करने की बात पूछी। पुलिस ने उनसे दो घंटे में जानकारी देने को कहा। उन्होंने दावा किया कि सुबह से उन्होंने अलग-अलग थानों में गिरफ्तार कर रखे गए 70 से 80 लोगों छुड़वाया है।

मंत्री के आदेश बेअसर साबित!

- ढाबों पर धड़ल्ले से रुक रही हरियाणा रोडवेज बसें
- यात्रियों का समय और जेब दोनों पर पड़ रही मार

टीएनएफ टुडे, आगरा/पलवल।

हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज द्वारा रोडवेज बसों को निजी ढाबों पर नहीं रोकने के स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी किए जाने के आरोप सामने आए हैं। गुरुग्राम, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और पलवल डिपो की मथुरा-आगरा रूट की बसें होडल तथा उत्तर प्रदेश के कोटवन-कोसीकलां स्थित निजी ढाबों पर नियमित रूप से रोकी जा रही हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

यात्रियों का आरोप है कि बसों को कई बार 20 से 30 मिनट तक ढाबों पर खड़ा रखा जाता है। इससे होडल, कोसीकलां और मथुरा के बीच सफर करने वाले यात्रियों का समय बर्बाद होता है और वे अपने गंतव्य पर देरी से पहुंचते हैं। यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया कि इन ढाबों पर खाने-पीने की वस्तुएं बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर बेची जाती हैं। आरोप है कि यात्रियों से होने वाली कमाई के बदले बस चालक और परिचालकों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाता है, जिसके लालच में बसों को अनावश्यक रूप से ढाबों पर रोका जाता है।

इसी मामले में आगरा निवासी ओमप्रकाश अग्रवाल ने फरीदाबाद हरियाणा रोडवेज के जिला महाप्रबंधक को लिखित शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 19 जुलाई 2026 को वह आगरा ट्रांसपोर्ट नगर से बल्लभगढ़ जाने के लिए हरियाणा रोडवेज की बस संख्या HR-30F-4603 में सवार थे।

आरोप है कि बस को कोसीकलां से आगे कोटवन के पास एक निजी ढाबे पर रोका गया, जहां उनसे खाने-पीने की वस्तुओं के बाजार से कई गुना अधिक दाम वसूले गए। विरोध करने पर ढाबा संचालक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि बस चालक से शिकायत करने पर उसने कोई कार्रवाई नहीं की और बस को गलत दिशा (रॉन्ग साइड) से ढाबे पर ले गया। जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रही। उन्होंने दोषी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

यात्रियों का कहना है कि यदि परिवहन मंत्री के आदेशों का कड़ाई से पालन कराया जाए तो यात्रियों का समय बचेगा और ढाबों पर कथित मनमानी वसूली पर भी रोक लगेगी। उन्होंने विभाग से ऐसे चालक-परिचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में पलवल रोडवेज के महाप्रबंधक जितेंद्र यादव का कहना है कि हरियाणा रोडवेज की बसों को किसी भी निजी ढाबे पर नहीं रोकने के सख्त निर्देश हैं। यदि किसी बस के चालक या परिचालक द्वारा नियमों का उल्लंघन किए जाने की शिकायत मिलती है और जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित कर्मचारियों पर 5,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

जरूरत पड़ी तो मैं दिल्ली जाऊँगी...

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह दिल्ली जाएंगी और 'कॉकरोच जनता पार्टी' (उखढ) के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगी। साथ ही, उन्होंने बीजेपी के खिलाफ विपक्ष की एकजुटता का भी आह्वान किया। कोलकाता में टीएमसी की 'शहीद दिवस' रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, 'हमने शुरु से ही उखढ का समर्थन किया है। अगर जरूरत पड़ी, तो मैं दिल्ली जाऊंगी और उनके विरोध प्रदर्शन में शामिल होऊंगी।

उन्होंने आगे कहा अब समय आ गया है कि बीजेपी के खिलाफ 'इंडिया अलायंस' के बैनर तले एकजुट हुआ जाए। मैं देश की सभी पार्टियों और पूरे देश से, और बंगाल में भी, यही अपील करती हूं।

दिल्ली में सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन का ज़िक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी गाड़ी मोड़ ली। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार ने तानाशाही की सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने कहा लोग बीजेपी के अत्याचारों को समझ सकते हैं। इसने हिटलर और स्टालिन को भी पीछे छोड़ दिया है।

ईरान के खिलाफ जंग में 100 अमेरिकी सैनिक घायल, पेंटागन ने माना तेहरान के हमलों का सच

एजेंसी, वॉशिंगटन।

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने ईरान के जवाबी हमलों में अपने 100 सैनिकों के घायल होने की बात स्वीकार की है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर कहा, 'ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96 फीसदी सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं।' उन्होंने बताया कि ज्यादातर को हल्की सिर की चोट (कंकशन) लगी थी। पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को शेयर करते हुए दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है।

इसके साथ ही पार्नेल ने दावा किया कि घायलों से संबंधित आगे की जानकारी डिफेंस कैजुअल्टी एनालिसिस सिस्टम (डीसीएएस) पर जारी की जाएगी। इस बीच, अमेरिकी सेना में मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। हाल के दिनों में तीन सैनिकों की मौत हुई है। पेंटागन के अनुसार, शुक्रवार को जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए एक ईरानी हमले में दो सैनिक मारे गए। उनकी पहचान सोमवार को सार्वजनिक की गई। फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर फीहान की शुक्रवार को कार्रवाई के दौरान मौत हुई, जबकि प्राइवेट इसाबेला गोंजालेस शनिवार को मुवाफ्फाक सल्ती एयर बेस पर ईरानी हमले में मारी गईं।

शाही तालाब में मिला अज्ञात का शव

टीएनएफ टुडे, फतेहपुर सीकरी।

ऐतिहासिक स्मारक के पीछे शाही तालाब में सुबह करीब 6 बजे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। तालाब में शव दिखाई देने पर स्मारक परिसर में मौजूद लोगों ने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों और पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण सहायक दिलीप सिंह मौके पर पहुंचे और स्थानीय पुलिस से आवश्यक समन्वय किया। इसके बाद थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शाम तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी।

पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों का मिलान कराने के साथ-साथ मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

एएसआई के संरक्षण सहायक दिलीप सिंह ने बताया कि शाही तालाब में शव दिखाई देने की सूचना मिलते ही संबंधित पुलिस अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भूमि अधिग्रहण बिना एक्सप्रेस-वे का काम शुरू

- आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे का मामला, किसानों ने किया विरोध
- उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देकर बताई अपनी समस्याएं

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

भारतीय किसान यूनियन (चौधरी चरण सिंह) की ओर से मंगलवार को उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन दिया गया। इसमें आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण कार्यवायी के बिना और किसानों की बिना सहमति के काम शुरू होने पर विरोध किया गया। ज्ञापन में छह सूत्रीय मांगों को शामिल किया गया है।

मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (चौधरी चरण सिंह) के जिला प्रवक्ता प्रदीप गुर्जर के नेतृत्व में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें कहा है कि आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेसवे का निर्माण तहसील फतेहाबाद के गांव सलेमाबाद, इनायतपुर, नगला पाटम, लुहेंटा, तोर से होकर हो रहा है। जहां पर सरकार के द्वारा विधिपूर्वक बिना नोटिस दिए हुए ही किसानों की खड़ी फसलों को रौंदकर नष्ट किया जा रहा है। जबकि किसानों से अभी सहमति पत्र नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा है कि शमशाबाद-इरादतनगर राजमार्ग जो कि 40-50 साल पुराना है। पीडब्ल्यूडी के नक्शे में दूसरी जगह है। जो किसानों की जगह तोर लुहेंटा ग्राम पंचायत की है। वह मौजूदा राजमार्ग पर ही है। उसकी सर्किल रेट आज की राजमार्ग की होनी चाहिए। किसानों को उसी के आधार पर मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि अभी तक किसानों पर कोई नोटिस नहीं आया है, ना ही उनके गाटे चिन्हित हुए हैं। ना ही उनके द्वारा रजिस्ट्री की गई है। इसके बावजूद ठेकेदार फसलों को नष्ट कर रहा है। किसानों को भूमिका मुआवजा वर्तमान मूल्य एवं वास्तविक बड़ी हुई दर के रेट के आधार पर दिया जाए। जब तक मुआवजा वितरण एवं कानूनी औपचारिकता पूर्ण ना हो जाए, तब तक किसानों की भूमि पर जबरन निर्माण न कराया जाए। पूजा डेयरी से खारी नदी के पुल तक जो पुराना राजमार्ग है, उस पर ठेकेदार के द्वारा अपना बेस कैंप बनाया गया है। इससे किसानों के वाहन और अपने खेतों पर तक जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। रास्ता निकलवाया जाए ठेकेदार के द्वारा किसानों से मिट्टी खरीदी जा रही है। वह बहुत ही कम एक बीघे में गहराई 1 मीटर 5000 से 10000 रेट ली जा रही है जो कि कम है। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान व भाकियू पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्रीराम कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

- शिव विवाह, नारद मोह और रामजन्म के प्रसंगों से भक्तिमय हुआ कथा पंडाल

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

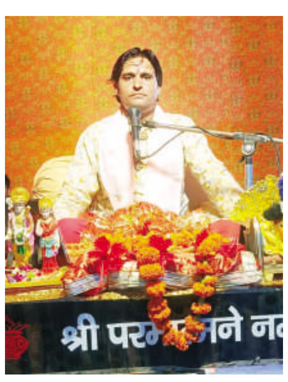

ब्रजधाम उदासीन आश्रम, पुल वाले हनुमान मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन कथा पंडाल भक्तों से खचाखच भरा रहा। कथा वाचक आचार्य ऋषि कृष्ण महाराज ने शिव विवाह, नारद मोह और भगवान श्रीराम के अवतार के कारण सहित अनेक प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। श्रद्धालु कथा श्रवण कर भक्ति रस में सराबोर हो गए।

कथावाचक ने शिव विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन की महिमा बताई। इसके बाद नारद मोह की कथा सुनाते हुए अहंकार के त्याग और भगवान की लीला का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भगवान अपने भक्तों का कल्याण करने के लिए समय-समय पर विभिन्न लीलाएं करते हैं। कथा के दौरान भगवान श्रीराम के जन्म का कारण बताते हुए आचार्य ने कहा कि जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ जाता है, तब धर्म की स्थापना और सज्जनों की रक्षा के लिए भगवान अवतार लेते हैं। श्रीराम का जीवन सत्य, मयार्दा, त्याग और आदर्शों का प्रतीक है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा लेनी चाहिए।

ब्रजधाम उदासीन आश्रम के महंत प्रकाशानंद जी महाराज ने बताया कि 29 जुलाई तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीराम कथा एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की। कथा के अंत में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ आरती में भाग लिया।

मौत के बाद भी नहीं मिली सुकून की दो गज जमीन

श्मशान घाट पर तिरपाल के नीचे हुआ अंतिम संस्कार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

फतेहपुर सीकरी विकासखंड के ग्राम हंसपुरा में श्मशान घाट पर टीनशेड न होने से मंगलवार को बारिश के बीच ग्रामीणों को तिरपाल लगाकर शव का दाह संस्कार करना पड़ा। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए जल्द स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम हंसपुरा निवासी सत्यप्रकाश सक्सैना का मंगलवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया। परिजन और ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पहुंचे, लेकिन वहां बारिश से बचाव के लिए टीनशेड की व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में ग्रामीणों ने तिरपाल लगाकर चिता को बारिश से बचाया और किसी तरह अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई।

ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट पर टीनशेड की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि विकास के दावों के बावजूद गांव की मूलभूत सुविधाएं उपेक्षा का शिकार हैं। मानसून की शुरूआत में ही ऐसी स्थिति सामने आने से ग्रामीणों ने आने वाले दिनों में और अधिक परेशानी की आशंका जताई है। समाजसेवी सुनील कुमार पाराशर ने कहा कि किसी व्यक्ति की अंतिम विदाई के समय भी ऐसी अव्यवस्था होना बेहद दुखद है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि ग्रामीणों की इस मूलभूत समस्या के प्रति गंभीर नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि श्मशान घाट में टीनशेड एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के निर्माण की मांग को लेकर जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज कराई गई है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से श्मशान घाट पर जल्द पक्का टीनशेड और आवश्यक निर्माण कार्य कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी परिवार को अंतिम संस्कार के दौरान इस तरह की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

नीट परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन कर- के क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले छात्र के सम्मान में जगह जगह समारोह आयोजित किए गये है। कस्बा निवासी संदेश समाधियां के बेटे आदित्य समाधियां ने नीट यूजी 2026 की परीक्षा में ईडब्ल्यूएस श्रेणी में आल इंडिया 6 वीं रैंक और आल इंडिया जनरल रैंक में 146 वां स्थान प्राप्त कर समूचे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

आदित्य की इन रैंको के कारण उसका चयन देश के सबसे प्रतिष्ठित मेडीकल संस्थान एम्स दिल्ली में एमबीबीएस के लिए हुआ है। इतनी बड़ी सफलता के बाद सोमवार को आदित्य के क्षेत्र में जगह-जगह स्वागत समारोह आयोजित किए गए। मंगलवार को सरस्वती शिशु मंदिर समेत अन्य विद्यालयों में स्वागत समारोह आयोजित किए गए हैं। इस दौरान आदित्य ने बताया कि कडी मेहनत, लगन और निष्ठा के साथ साथ परिवार कि साथ किसी भी सफलता को आसानी से दिला सकता है।

25 जुलाई आगरा आएंगे सीएम योगी, तैयारियों में जुटा प्रशासन

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जुलाई को आगरा दौरे पर आएंगे, जहां वह करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल चयन के लिए टाटा ग्राउंड, जीआईसी मैदान, कोठी मीना बाजार तथा डा. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, ऑडिटोरियम, खंदारी कैंपस आदि का निरीक्षण किया।

जंगला तोड़कर 225 शराब के पउआ चोरी

सैंया। थाना क्षेत्र के गांव विरहरू स्थित देशी शराब की दुकान में चोरों ने जंगला तोड़कर 225 पउआ देशी शराब चोरी कर ले गए। गांव विरहरू के बाहर स्थित देशी शराब की दुकान के सेल्समैन निखिल धाकरे ने बताया कि रोजाना की भांति दुकान को बंद कर अपने घर चले गए थे। सुबह जब दुकान खोलने पहुंचे तो देखा कि दुकान का जंगला उखड़ा हुआ था। अंदर रखी शराब की पेटियों की जांच करने पर 225 पउआ देशी शराब से भरी एक पेटी गायब मिली। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। सेल्समैन द्वारा थाने में दी गई तहरीर के अनुसार चोरी हुई शराब की कीमत करीब 18 हजार रुपये बताई गई है।

चंबल नदी में बिना अनुमति चल रहा स्टीमर रोका

- मध्यप्रदेश प्रशासन ने की कार्रवाई, महुआ पुलिस ने स्टीमर को बंधवाया
- नदी के दोनों किनारों पर लगी लोगों की भीड़

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

चंबल नदी पर पैंटून पुल हटने के बाद लोगों को पार उतार रहे स्टीमर को महुआ पुलिस ने मध्यप्रदेश प्रशासन से अनुमति नहीं लेने के कारण रुकवा दिया है। स्टीमर को नदी किनारे बंधवा दिया है। स्टीमर कर्मियों का कहना है कि जब तक महुआ पुलिस अनुमति नहीं देंगी। तब तक स्टीमर नहीं चलाया जाएगा।

चंबल नदी पिनाहट घाट पर मध्यप्रदेश की ओर आवागमन करने के लिए पैंटून पुल के हटने के बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा बरसात के चार महीने स्टीमर संचालित कर लोगों को आवागमन कराया जा रहा था। जिसे मंगलवार शाम करीब चार बजे मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के महुआ थाने की पुलिस ने चंबल घाट पहुंच कर रुकवा दिया है। पुलिस के रोकने पर स्टीमर चालक अशोक कुमार ने स्टीमर को नदी किनारे पिनाहट सीमा में बंधे पैंटून पुल से स्टीमर को बांध दिया है। अशोक ने बताया कि जब तक महुआ पुलिस अनुमति नहीं देंगी। तब तक स्टीमर नहीं चलाएंगे। जानकारों की माने तो प्रतिवर्ष लोक निर्माण विभाग आगरा मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश वन विभाग से नदी पर स्टीमर संचालन की अनुमति देता है। क्योंकि चंबल वन विभाग की सम्पत्ति है। मध्यप्रदेश वन विभाग से इस वर्ष स्टीमर चलाने की अनुमति नहीं ली गयी है। इस कारण स्टीमर संचालन लोक दिया गया है। दिनभर में करीब दस चक्कर लगा चुके स्टीमर के रोके जाने के बाद नदी के दोनों ओर सैकड़ों की भीड़ इकट्ठी हो गयी। जो शाम तक स्टीमर चलने का इंतजार करती रही। किन्तु स्टीमर संचालन नहीं होने से लोगों में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा। महुआ थानाध्यक्ष उपेंद्र पाराशर ने बताया कि मध्यप्रदेश प्रशासन से अनुमति नहीं ली गयी है। इस कारण उच्चाधिकारियों के आदेश पर स्टीमर संचालन रोका गया है। वहीं स्टीमर ठेकेदार चंद्र सेन तिवारी ने कहा कि स्टीमर रोके जाने की जानकारी लोक निर्माण विभाग को दे दी गयी है।

लोनिवि की लापरवाही और खामियाजा भुगत रही जनता

पुलिस द्वारा स्टीमर रोके जाने से लोगों में भारी नाराजगी दिखाई दी है। लोगो का कहना है कि प्रतिवर्ष इसी तरह लोगों को परेशान किया जाता है। जब हर वर्ष अनुमति लेनी होती है। तो जानबूझकर लोक निर्माण विभाग आगरा परमीशन में देरी करके लोगों को परेशान करता है।

दो महिलाओं को सांप ने डंसा

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के दो अलग-अलग गांव में मंगलवार सुबह सांप ने दो महिलाओं को डंस लिया दोनों। के परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शीला देवी पत्नी कालीचरन निवासी मीठपुरा फतेहाबाद मंगलवार सुबह 8 बजे के करीब गोबर के उपले लेने गई थी। इसी दौरान उन्हें सांप ने हाथ में डंस लिया। उनकी चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और सांप को डिब्बे में बंद कर के सीएचसी फतेहाबाद पहुंचे। शीला देवी को भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें आगरा रेफर कर दिया गया। दूसरी घटना नंदपुरा गांव की है। जहां केशव देवी पत्नी भत्तसिंह मंगलवार सुबह नौ बजे के करीब झोपड़ी में साफ-सफाई कर रही थी। इसी दौरान सांप ने उनके उल्टे हाथ में काट लिया। जानकारी होने पर परिजन ने उन्हें सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज चल रहा है।

घर के सामने शोर का विरोध करने पर पीटा

सैंया। थाना क्षेत्र के गांव मोहनपुर में घर के सामने शोर-शराबा करने का विरोध करने पर पड़ोसियों ने एक युवक के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव मोहनपुर निवासी भूरा सोमवार शाम करीब 7 बजे अपने चाचा रम्भो के घर के बाहर बैठा था। आरोप है कि उसी दौरान गांव के जय सिंह अपनी पत्नी तथा पुत्र अंकित और अनीकेत के साथ हाथों में लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंचे और शोर-शराबा करने लगे। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जब भूरा ने इसका विरोध किया तो जय सिंह, उनकी पत्नी और दोनों पुत्रों ने मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन घायल को लेकर थाना सैंया पहुंचे। पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए अस्पताल भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

जन्मदिन पर पुरातन छात्रा का प्रेरणादायी उपहार

खेरागढ़। प्राथमिक विद्यालय कछपुरा सरेंडा, ब्लॉक खेरागढ़ की पुरातन छात्रा आरती कुशवाहा ने अपने जन्मदिवस को समाजोपयोगी एवं प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान करते हुए विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 5 के छात्र-छात्राओं को जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क अध्ययन सामग्री (पुस्तकें) वितरित की। यह प्रेरणादायी कार्यक्रम अकादमिक रिसोर्स पर्सन सौरभ शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक जन्मदिन कार्यक्रम में सहभागिता की तथा आरती कुशवाहा के इस प्रेरणास्पद प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में पुरातन छात्रा ने सभी बच्चों को लेखन सामग्री, चॉकलेट एवं बिस्कुट भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ दीं। यह पहल विद्यालय एवं पूर्व छात्रों के बीच स्नेह, सहयोग और शैक्षिक दायित्व की उत्कृष्ट मिसाल प्रस्तुत करती है। विद्यालय परिवार से कार्यवाहक प्रधानाध्यापक डॉ सतीश कुमार सहायक अध्यापक राकेश कुमार और मोहित वर्मा ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, फिर युवती से घर मिलने आया फरेबी; छोटी से गलती ने बर्बाद कर दी जिंदगी

आगरा। थाना नाई की मंडी पुलिस ने सोशल मीडिया पर युवती से दोस्ती कर नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने, अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और रुपये ऐंठने के आरोपी को हरदोई से गिरफ्तार किया है।

डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि गुरुग्राम निवासी पीड़िता ने थाना सदर में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि उसकी सोशल मीडिया पर कासिम से जान-पहचान हुई थी। 20 सितंबर, 2025 को वह मिलने के बहाने उसके घर आया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसने दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए। होश आने पर विरोध किया तो आरोपी ने फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी। ब्लैकमेल करके शोषण करने लगा। धमकाकर 40 हजार रुपये भी ले लिए। प्राथमिकी दर्ज कर मामला गुरुग्राम पुलिस को भेजा गया। वहां से दोबारा मामला सदर स्थानांतरित किया गया। जांच में आरोपी के नाई की मंडी क्षेत्र में बुलाकर गलत काम करने की जानकारी हुई। इसके बाद नाई की मंडी थाना पुलिस ने जांच की। रविवार को आरोपी कासिम को उसके निवास हरदोई के मल्लावा के सराय सुल्तान से गिरफ्तार किया गया। न्यायालय ने उसे जेल भेजा है।

जवाहर पुल के लिए तोड़ दिए गए थे गेटवे ऑफ रामबाग, 58 साल बाद होगा इनका संरक्षण

आगरा। 58 साल पहले यमुना नदी पर बनाए गए जवाहर पुल के निर्माण के लिए जोहरा बाग और रामबाग के बीच में बने गेटवे ऑफ रामबाग के बड़े हिस्से तथा जोहरा बाग की दीवार को ढहा दिया गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जवाहर पुल के नीचे मौजूद गेटवे ऑफ रामबाग के अवशेष सहेजेगा। इस पर 60 लाख रुपये खर्च होंगे। पहली बार इसका संरक्षण किया जाएगा।

मुगलिया रिवरफ्रंट गार्डन का हिस्सा जोहरा बाग और रामबाग के बीच में आवागमन के लिए गेटवे ऑफ रामबाग बना हुआ था। दोनों मुगलकालीन बागीचों की दीवारों के बीच प्रवेश द्वार था, जिसके बड़े हिस्से को वर्ष 1968-69 में ध्वस्त कर दिया गया। इसे नाम बेशक गेटवे ऑफ रामबाग दिया गया है लेकिन जोहरा बाग की उत्तरी दीवार का यह हिस्सा है। रामबाग की हाईवे किनारे की दीवार के सहारे बने रास्ते से पुल के नीचे तक पहुंचा जा सकता है। एएसआई के अधिकारियों ने ध्वस्तीकरण के बाद फिर इस पर कभी ध्यान ही नहीं दिया था। ऑस्ट्रियाई इतिहासकार एबा कोच की पुस्तक में पुल निर्माण के दौरान ध्वस्त करने का ब्योरा दिया गया है। ककइया ईंटों से बने गेटवे के अवशेष पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पहली बार संरक्षण कार्य कराएगा। एएसआई की अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. स्मिता कुमार ने बताया कि गेटवे ऑफ रामबाग के पुल के नीचे अवशेषों को सहेजा जाएगा। करीब 60 लाख रुपये इस पर खर्च होंगे। वार्षिक संरक्षण योजना में इसे मंजूरी मिल चुकी है।

11 दिसंबर 1969 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने यमुना नदी पर आरसीसी के पुल का लोकार्पण किया था। इसी पुल का शिलान्यास देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने किया था। पुल के निर्माण में रामबाग की ओर गेटवे बाधा बना तो इसके साथ जोहरा बाग की बाउंड्री भी ध्वस्त कर दी गई। जोहरा बाग के उत्तर पश्चिमी कोने के टावर और दीवार के इसी हिस्से के अवशेष बाकी है, जहां तबेला बना हुआ था। यहां भूसा भरा हुआ था। नेशनल हाईवे-2 के निर्माण के दौरान 1997-98 में इसका बाकी हिस्सा भी ढहा दिया गया।

अछनेरा में फुटपाथों पर अतिक्रमण से यातायात बाधित, कार्रवाई की मांग

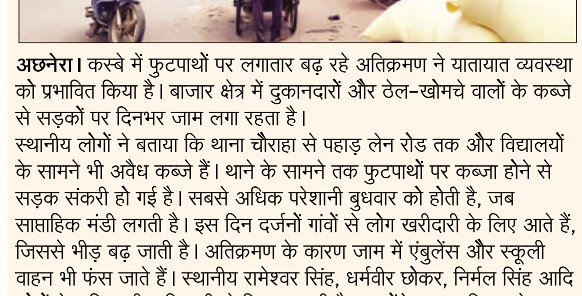

अछनेरा। कस्बे में फुटपाथों पर लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण ने यातायात व्यवस्था को प्रभावित किया है। बाजार क्षेत्र में दुकानदारों और ठेल-खोमचे वालों के कब्जे से सड़कों पर दिनभर जाम लगा रहता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि थाना चौराहा से पहाड़ लेन रोड तक और विद्यालयों के सामने भी अवैध कब्जे हैं। थाने के सामने तक फुटपाथों पर कब्जा होने से सड़क संकरी हो गई है। सबसे अधिक परेशानी बुधवार को होती है, जब साप्ताहिक मंडी लगती है। इस दिन दर्जनों गांवों से लोग खरीदारी के लिए आते हैं, जिससे भीड़ बढ़ जाती है। अतिक्रमण के कारण जाम में एंबुलेंस और स्कूली वाहन भी फंस जाते हैं। स्थानीय रामेश्वर सिंह, धर्मवीर छोकर, निर्मल सिंह आदि लोगों ने अधिशासी अधिकारी से शिकायत की है। उन्होंने नगर पालिका से अभियान चलाकर फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। अधिशासी अधिकारी अरुण कुमार यादव ने बताया कि पूर्व में अतिक्रमण हटाने का अभियान चला था और अब जल्द कार्रवाई की जाएगी।

मौत बनकर दौड़ा कैंटर, दो की गई जान

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद (आगरा)।

बाह-फतेहाबाद मार्ग पर सोमवार की मध्य रात कैंटर और कार में आमने सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह कैंटर में फंस गया। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कटर मशीन से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला।

पुलिस के मुताबिक सोमवार की रात्रि 1.30 बजे के करीब बाह-फतेहाबाद मार्ग पर बाबा की तिबरिया के पास बाह की तरफ से आ रही वरना कार में फतेहाबाद की तरफ से जा रही तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार का अगला हिस्सा कैंटर में फंस गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। कार चालक योगेश पुत्र छत्तर सिंह (34 वर्ष) निवासी बापू नगर थाना सेक्टर 58 बल्लभगढ़ फरीदाबाद हरियाणा, नितिन पुत्र गिर्राज सिंह (22 वर्ष) निवासी जाजरू थाना सेक्टर 58 बल्लभगढ़ फरीदाबाद हरियाणा लोगों को निकालने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। उसके बाद पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम को मौके पर बुलाया और कड़ी मशक्कत के बाद हाइड्रा से कार को कैंटर से अलग किया। उसके बाद कार में फंसे दोनों शवों को कटर मशीन से दो घंटे बाद काटकर बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, कैंटर चालक मौके से फरार हो गया। मृतक योगेश के परिजनों ने बताया कि योगेश जिम चलाता था। नितिन उसके साथ रहता था। दोनों ही लोग घर से अयोध्या जाने की कहकर निकले थे। योगेश शादीशुदा है। उसके पास दो बेटे है। नितिन अविवाहित है।

100 मीटर तक कार को घसीट ले गया कैंटर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद कैंटर चालक वाहन नहीं रोक सका। कार को करीब 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया।

दो घंटे में कार को काटकर निकाले गए शव

कार का अगला हिस्सा कैंटर में बुरी तरह फंस गया था। पुलिस ने पहले अपने स्तर से कार सवारों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम और हाइड्रा मशीन मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार को कैंटर से अलग किया गया। फिर कटर मशीन से कार को काटकर दोनों शव बाहर निकाले गए। इस दौरान मार्ग पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही।

रफ्तार बनी हादसे की वजह

हादसे की वजह दोनों वाहनों की तेज रफ्तार मानी जा रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसका अगला हिस्सा पूरी तरह कैंटर में समा गया। पुलिस का मानना है कि यदि किसी एक वाहन की गति नियंत्रित होती तो संभवतः इतनी बड़ी दुर्घटना टाली जा सकती थी।

इससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद चालक कैंटर छोड़कर मौके से फरार हो गया।

सड़क के दोनों ओर लगा जाम

भीषण हादसे के बाद बाह-फतेहाबाद मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। दुर्घटनाग्रस्त कैंटर और कार सड़क पर फंसे रहने के कारण करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित किया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और राहगीरों की भीड़ भी मौके पर जुटी रही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 को आगरा में

टीएनएफ टुडे, आगरा।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जुलाई को शहर में आ रहे हैं। वे जनसभा को संबोधित करने के साथ विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मंगलवार को योगी आदित्यनाथ के संभावित आगमन के दृष्टिगत जीआईसी मैदान, कोठी मीना बाजार, टाटा ग्राउंड तथा यूनिवर्सिटी के शिवाजी मंडपम ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया।

जनसभा स्थल, पार्किंग व्यवस्था, ट्रैफिक, सुरक्षा व्यवस्था, बरसात के मौसम के दृष्टिगत अन्य तैयारियों व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनसभा और जनपद की विभिन्न विकास योजनाओं तथा प्रोजेक्टस का लोकार्पण शिलान्यास आदि प्रस्तावित हो सकता है।

आगरा कॉलेज का फर्जी वीडियो वायरल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा कॉलेज के संबंध में सोशल मीडिया पर एक भ्रामक एवं पूर्णतः फर्जी वीडियो प्रसारित किया गया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सीके गौतम ने मंगलवार को कड़ी चेतावनी जारी की है।

प्राचार्य ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की झूठी एवं भ्रामक सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। महाविद्यालय प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी अपुष्ट या भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें। केवल महाविद्यालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

संजय राजा दशरथ और नीता बनेंगी कौशल्या

रामलीला कमेटी ने दंपति के निवास पर जाकर किया अभिनंदन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

रामलीला कमेटी से 24 वर्षों से जुड़े हुए और वर्तमान में उपाध्यक्ष संजय सिंघल (सादाबाद वाले) इस वर्ष के रामलीला महोत्सव में राजा दशरथ की भूमिका निभाएंगे। जबकि उनकी पत्नी नीता सिंघल रानी कौशल्या की भूमिका में होंगी। रामलीला कमेटी की जनकपुरी-दशरथ चयन समिति ने रविवार की शाम बाग फरजाना स्थित उनके निवास पर पहुंचकर इस निर्णय से अवगत कराया और उनका अभिनन्दन किया।

इससे पूर्व जनकपुरी-दशरथ चयन समिति की रविवार सुबह राम हनुमान मंदिर पर हुई बैठक में संजय सिंघल के नाम पर मुहर लगा दी गई। बैठक की अध्यक्षता रामलीला कमेटी के अध्यक्ष विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल और संचालन महामंत्री राजीव अग्रवाल ने किया। बैठक में राजा दशरथ की भूमिका के लिए आधा दर्जन नामों पर विचार किया गया। संजय सिंघल के नाम पर सर्वसम्मति जताई गई। बैठक में कोषाध्यक्ष ताराचन्द अग्रवाल, उपाध्यक्ष भगवान दास बंसल, विजय गोयल, टीएन अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, मुकेश जौहरी, संजय तिवारी, मनोज अग्रवाल, समन्वयक प्रवीण बंसल, अंजुल बंसल, आयुष अग्रवाल और राहुल गौतम के अलावा अतुल बंसल और प्रसून मंगल ने अपने विचार रखे। संजय सिंघल के निवास पर उनका अभिनन्दन करने वालों में विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, महामंत्री राजीव अग्रवाल के अलावा ताराचंद अग्रवाल, भगवान दास बंसल, विजय गोयल, टी एन अग्रवाल, मुकेश जौहरी, संजय तिवारी, विष्णु दयाल बंसल, विनोद जौहरी, प्रवीण बंसल, मनोज अग्रवाल, अंजुल बंसल, आयुष अग्रवाल, आनंद मंगल, प्रसून मंगल, मनोज अग्रवाल, रामांशु शर्मा, विकास अग्रवाल, अजय बंसल, राहुल गौतम आदि शामिल थे।

जै जै शिवशंकर कांटा लगे न कंकर...

श्रावण मास में शिव भक्तों के लिए दुरुस्त होगा परिक्रमा मार्ग

पार्षद मुरारीलाल गोयल ने नगर आयुक्त को दिया प्रार्थना-पत्र

टीएनएफ टुडे, आगरा।

30 जुलाई से पवित्र और फलदाई श्रावण मास प्रारंभ होने जा रहा है। आगरा की धार्मिक परंपरा के अनुसार सावन में शहर के चारों कोनों पर स्थित प्राचीन शिव मंदिरों- श्री बल्केश्वर महादेव मंदिर, श्री मनकामेश्वर मंदिर, श्री राजेश्वर मंदिर, श्री पृथ्वीनाथ मंदिर एवं श्री रावली मंदिर की परिक्रमा करने के लिए लाखों शिवभक्त जलाभिषेक हेतु आएंगे।

हजारों की संख्या में काँवड़ यात्री जल लेकर पैदल यात्रा करेंगे। रात्रि में भी परिक्रमा जारी रहेगी। ऐसे में कोई शिव भक्त चोटिल न हो और आस्था की यह यात्रा बोझिल न हो.. इसको दृष्टिगत रखते हुए शिव भक्तों के परिक्रमा मार्ग को गड्ढा मुक्त, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के लिए मंगलवार को समाजसेवी पार्षद मुरारी लाल गोयल पेंट वालों ने नगरायुक्त संतोष कुमार वैश्य को नगर निगम में प्रार्थना पत्र दिया।

मुरारी लाल गोयल ने अनुरोध किया कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए सावन प्रारंभ होने से पूर्व उपरोक्त कार्यों को युद्ध स्तर पर करवाने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए जाएँ। ताकि लाखों शिवभक्त बिना किसी अवरोध के अपनी आस्था व्यक्त कर सकें। नगर आयुक्त ने उनको आश्वस्त किया है।

प्रार्थना पत्र में ये मांगें रखी

सभी शिवालयों को जोड़ने वाले परिक्रमा मार्ग एवं मंदिरों तक जाने वाली सड़कों को आवागमन योग्य बनाया जाए। परिक्रमा मार्गों पर नियमित साफ-सफाई कराई जाए। रात्रि में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए।

मार्ग में पड़ी निर्माण सामग्री, मलबे एवं अन्य अवरोधकों को हटवाया जाए। क्षतिग्रस्त सड़कों पर तत्काल पैच वर्क कराया जाए।

परिक्रमा मार्ग पर पुलिस एवं होमगार्ड की तैनाती के साथ पेयजल की व्यवस्था कराई जाए। परिक्रमार्थियों के लिए बायो टॉयलेट भी जगह-जगह लगाए जाएँ।

दरगाह ध्वस्तीकरण के लिए कोर्ट में सुनवाई

आगरा कॉलेज के सामने मजार के बाद दरगाह का मामला

नगर निगम के वकील ने मांगी मुकदमे की नकल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष हिंदूवादी नेता कुंवर अजय तोमर ने अपने अधिवक्ता शिव आधार सिंह तोमर के द्वारा आगरा कॉलेज एमजी रोड बीच सड़क पर बनी मजार और उसके सामने बनी दरगाह दोनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन न्यायालय में न्यायाधीश श्वेत्शा चंद्रा की अदालत में 10 अप्रैल को वाद दायर किया था। मामले में आगरा जिलाधिकारी, नगर निगम के नगर आयुक्त, और पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता को प्रतिवादी बनाया गया है। योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष हिंदूवादी नेता कुंवर अजय तोमर ने 19 जनवरी 2026 को अपने एडवोकेट शिव आधार सिंह तोमर के द्वारा यातायात में बाधित बीच सड़क पर बनी मजार और दरगाह पर कार्रवाई के लिए धारा 80 सीपीसी का नोटिस आगरा डीएम, नगर निगम के नगर आयुक्त और पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता को भेजा था। नोटिस का समय पूरा होने के बावजूद भी अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की और ना ही नोटिस का कोई जवाब दिया। कुंवर अजय तोमर ने मजबूरन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

मजार और दरगाह पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए वाद दायर किया था। 16 जून 2026 को बीच सड़क पर बनीं मजार को ध्वस्तकर सामने वाली दरगाह में शिफ्ट किया जा चुका है। अब दरगाह पर भी कार्रवाई के लिए कोर्ट में मामला विचाराधीन हैं। कुंवर अजय तोमर का कहना है कि बीच सड़क पर बनी मजार पहले ही हट चुकी है। जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हुई है। अब सामने बनीं अवैध दरगाह सरकारी जमीन पर है। जिससे यातायात भी बाधित हो रहा है।

इसलिए जनहित में इसे हटाया जाना बहुत जरूरी है। कुंवर अजय तोमर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के हाईकोर्ट के सख्त आदेश हैं, कि सार्वजनिक स्थान पर सरकारी भूमि पर बने सभी धार्मिक स्थलों को हटाया जाए। बता दें कि कुंवर अजय तोमर ने 14 जुलाई को टेढ़ी बगिया बीच सड़क पर बनी रहमानी मस्जिद सहित शहर की 27 और मस्जिदों, मजारों और दरगाहों पर कार्रवाई के लिए विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम न्यायाधीश मृदुल दुबे की अदालत में वाद दायर किया था। जिस पर 28 जुलाई को सुनवाई होगी ।

कैंट स्टेशन पर बिछुड़ा बच्चा परिजनों से मिलाया

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंगलवार को आगरा कैण्ट रेलवे स्टेशन पर एक बच्चा अपनी मम्मी से बिछुड़ गया। इस बात की जानकारी जैसे ही डीवाईएसएस आगरा छावनी नरेंद्र सिंह चाहर को मिली। वे मौके पर पहुंचे और बच्चों को अपनी देखभाल में लिया। इनक्वायरी पर जा कर ऐनाउंस सिस्टम के माध्यम से से बच्चे के परिजनों से सम्पर्क करने की कोशिश की। कुछ समय बाद परेशान परिजन रोते बिलखते काउंटर पर पहुंच गए। इसके बाद बच्चे और उसके परिजनों को एक साध देख हर कोई खुश हो गया। परिजनों ने डीवाईएसएस को अभार जताया।

डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना एत्माद्दौला क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में डम्पर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक को गंभीर हालत में एसएन मेडिकल कॉलेज में एडमिट कराया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही एत्माद्दौला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए हादसे में शामिल डम्पर को कब्जे में ले लिया। माल गोदाम के पास तेज रफ्तार डम्पर ने बाइक सवार युवक को रौद दिया। गंभीर घायल युवक की पहचान विष्णु, निवासी जीवनी मंडी, नया घेर, कुशवाहा मोहल्ला के रूप में हुई है। विष्णु की मोती महल क्षेत्र में दुकान है।

वह दुकान की साफ-सफाई कराने के बाद अपने घर लौट रहा था, तभी हादसा हो गया। पुलिस ने हादसे में शामिल डम्पर संख्या यूपी-80 एलटी-3831 को कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया। वहीं, घायल युवक को गंभीर अवस्था मे एसएन मेडिकल कालेज मे भर्ती कराया गया है। पुलिस ने डम्पर चालक की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी।

गुप्त नवरात्र की अष्टमी पर मां पीतांबरा की विशेष आराधना, रात्रि हवन में दी गईं बगलामुखी के मंत्रों की आहुति

टीएनएफ टुडे, आगरा।

गुप्त नवरात्र के पावन पर्व पर प्राचीन सीताराम मंदिर, वजीरपुरा में आयोजित नौ दिवसीय विशेष रात्रि हवन एवं मां भगवती की आराधना का क्रम श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ जारी है। अष्टमी तिथि पर मां पीतांबरा (बगलामुखी) की विशेष पूजा-अर्चना, मंत्रोच्चार एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विधि-विधान से आहुतियां अर्पित कीं और परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता तथा शत्रु बाधाओं से रक्षा की कामना की।

मंदिर के महंत अनंत उपाध्याय ने कहा कि गुप्त नवरात्र साधकों और शक्ति उपासकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इस अवधि में की गई देवी आराधना, जप, तप, हवन और साधना का फल कई गुना बढ़कर प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि गुप्त नवरात्र आत्मशुद्धि, आध्यात्मिक उन्नति और देवी कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर हैं, इसलिए श्रद्धालुओं को पूर्ण श्रद्धा और नियमपूर्वक मां आदिशक्ति की उपासना करनी चाहिए।महंत अनंत उपाध्याय ने अष्टमी तिथि का महत्व बताते हुए कहा कि इस दिन मां पीतांबरा अर्थात मां बगलामुखी की आराधना का विशेष विधान है। मां बगलामुखी दशमहाविद्याओं में आठवीं महाविद्या मानी जाती हैं और इन्हें शत्रुओं का स्तंभन करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। उनकी कृपा से साधक को साहस, आत्मविश्वास, वाणी में प्रभाव, न्यायिक कार्यों में सफलता तथा विरोधियों पर विजय प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि मां की उपासना सदैव धर्म, सत्य और लोककल्याण की भावना से करनी चाहिए।

रात्रि हवन के दौरान वैदिक मंत्रों एवं मां पीतांबरा के मंत्रों के साथ आहुतियां समर्पित की गईं। मंदिर परिसर मां के जयकारों, घंटा-घड़ियाल और शंखनाद से भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ हवन में सहभागिता निभाई तथा मां भगवती से सभी के कल्याण की प्रार्थना की।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, हर्षवर्धन पाठक, मुकेश शर्मा, अरुण उपाध्याय, मनोज अग्रवाल, हनी, बॉबी, डॉ. संजीव नेहरू आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

गूँजते नारों के बीच 'मौन' का संदेश और युवाओं का आक्रोश

दिल्ली की सड़कों पर जो जनसैलाब उमड़ा , वह केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह उस 'बदलाव' की आहट है जो विश्व राजनीति में भी स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक जैसे पर्यावरणविदों के अनशन, पेपर लीक, और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की माँग को लेकर लाखों युवाओं का सड़क पर उतरना यह साबित करता है कि अब भारत का युवा वर्ग अपनी आवाज अनसुनी नहीं होने देगा?इस भारी विरोध-प्रदर्शन और संसद मार्च के प्रयास के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी कोई सामान्य बात नहीं है। यह राजनीतिक रणनीतिकारों के लिए मंथन का विषय है। प्रधानमंत्री की इस 'चुप्पी' के गहरे राजनीतिक और सामाजिक अर्थ निकाले जा रहे हैं। विश्व स्तर पर लोकतांत्रिक देशों में जब जनता सड़क पर उतरती है, तो सरकारें संवाद का रास्ता अपनाती हैं। लेकिन संसद के मानसून सत्र की शुरूआत पर प्रधानमंत्री का पारंपरिक रूप से रचनात्मक संवाद की अपील तो करना, पर जंतर-मंतर के आक्रोश पर चुप्पी साध जाना एक विरोधाभास पैदा करता है। जब प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेड्स तोड़े जाते हैं और बल प्रयोग की खबरें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचती हैं - तब 'विश्वगुरु' और 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' कहलाने वाले भारत की वैश्विक छवि पर प्रश्नचिह्न लगता है। प्रधानमंत्री की चुप्पी बताती है कि सरकार इन जायज मांगों को स्वीकारने या शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जवाबदेही लेने से अभी बच रही है।3. एक नए युग की शुरूआतःआज के दौर में जो युवा 'कॉकरोच जनता पार्टी' (उखढ) जैसे नए आंदोलनों और छात्र संगठनों के बैनर तले एकजुट हो रहे हैं, वे बेरोजगारी और शिक्षा के व्यावसायीकरण से त्रस्त हैं। वे केवल डिजिटल स्पेस तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीनी संघर्ष के लिए तैयार हैं। ऐसे में सत्ता का यह मौन शायद इस नई लहर को कम आंकने की भारी भूल हो सकती है।क्या कुछ नया होने जा रहा है?विश्व पटल पर आज जो युवा आंदोलन हो रहे हैं, वे सत्ता विरोधी नहीं बल्कि व्यवस्था सुधार के आंदोलन हैं। भारत में इस युवा लामबंदी का अर्थ यह है कि भविष्य की राजनीति अब केवल भावनाओं या जुमलों से नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता और सीधे जवाबदेही से तय होगी। मोदी जी की यह चुप्पी बताती है कि आने वाले दिनों में सरकार और युवा शक्ति के बीच एक बड़ी वैचारिक और राजनीतिक जंग तय है।यह समय सत्ता के लिए 'मन की बात' कहने का नहीं, बल्कि युवाओं की 'अनकही व्यथा' को सुनने का है। अन्यथा, इतिहास गवाह है कि जब-जब युवा पीढ़ी सड़क पर उतरती है, तो सिंहासन की नींव हिल जाती है। लोकतंत्र में संवाद ही समाधान की पहली सीढ़ी है, और प्रधानमंत्री का मौन इस सीढ़ी को तोड़ने का काम कर रहा है।

फ्लैट संस्कृति की तरफ बढ़ रहे शहर

घर हर इंसान का सबसे बड़ा सपना होता है। लोग पूरी उम्र की कमाई, भविष्य निधि, बैंक कर्ज और अपनी तमाम बचत लगाकर एक फ्लैट खरीदते हैं। उम्मीद रहती है कि अब परिवार को सुरक्षित और सुकून भरी ज़िंदगी मिलेगी। मगर उत्तर प्रदेश के हजारों अपार्टमेंटों में यह सपना धीरे-धीरे एक दर्दनाक हकीकत में बदलता जा रहा है। फ्लैट मिलने के बाद भी लोग राहत नहीं, बल्कि रोज नई परेशानियों, झगड़ों और कानूनी लड़ाइयों में उलझ जाते हैं।

भारत में फ्लैट या अपार्टमेंट मुख्य रूप से शहरी इलाकों की पहचान हैं और अभी भी देश के कुल आवासों में इनकी हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है। शहरी क्षेत्रों में लगभग 31 प्रतिशत परिवार फ्लैटों में रहते हैं, जबकि छोटे शहरों में यह आंकड़ा करीब 24 प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर केवल 10-15 प्रतिशत परिवार ही अपार्टमेंट में रहते हैं, क्योंकि अधिकांश लोग, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, स्वतंत्र मकानों में रहते हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण, जमीन की कमी, छोटे परिवार और आधुनिक सुविधाओं की बढ़ती मांग फ्लैट संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत में हर वर्ष लगभग 12 से 15 लाख नए शहरी फ्लैट बनते हैं, लेकिन देशभर में फ्लैटों की कुल संख्या का कोई एकीकृत और अद्यतन सरकारी आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

इस बीच कर्नाटक सरकार ने एक ऐसी पहल की है, जिससे दूसरे राज्यों को भी सबक लेना चाहिए। कर्नाटक अपार्टमेंट (ओनरशिप एंड मैनेजमेंट) एक्ट, 2026 का मसौदा तैयार किया गया है। इस कानून को बनाने से पहले राज्य की 500 से अधिक अपार्टमेंट एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों से विस्तार से राय ली गई। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के सामने फ्लैट मालिकों ने साफ कहा कि उन्हें मजबूत कानूनी सुरक्षा, पूरी पारदर्शिता और बिल्डरों की जवाबदेही चाहिए।

अब सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश ऐसा कानून कब बनाएगा?

आगरा, मथुरा, वृंदावन, लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और तेजी से बढ़ते दूसरे शहरों में लाखों लोग बहुमंजिला इमारतों में रह रहे हैं। लेकिन इन सोसाइटियों में रहने वाले परिवार अक्सर तीन तरफा दबाव झेलते हैं। एक ओर बिल्डर हैं, जो फ्लैट बेचने के बाद अपनी जिम्मेदारी से किनारा कर लेते हैं। दूसरी ओर कई रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन यानी आरडब्ल्यूए हैं, जिनमें लोकतंत्र की जगह कुछ लोगों का कब्जा बना रहता है। तीसरी ओर सरकारी एजेंसियां हैं, जो अक्सर तब तक सक्रिय नहीं होतीं, जब तक मामला अदालत या बड़े विरोध प्रदर्शन तक नहीं पहुंच जाता। कई सोसाइटियों में वर्षों से निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए हैं। वही लोग लगातार पदों पर बने रहते हैं। रखरखाव शुल्क हर साल बढ़ता जाता है, लेकिन खर्च का पूरा हिसाब निवासियों के सामने नहीं रखा जाता। ऑडिट या तो होता नहीं या फिर उसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। आम निवासी यह तक नहीं जान पाते कि उनकी मेहनत की कमाई आखिर खर्च कहां हो रही है। मुसीबत यहीं खत्म नहीं होती। कई बिल्डर आरडब्ल्यूए बनने के बाद भी साझा सुविधाओं, कॉमन एरिया, रखरखाव निधि और जरूरी दस्तावेज समय पर नहीं सौंपते। इसका नुकसान सीधे फ्लैट मालिकों को उठाना पड़ता है। वे सालों तक अनिश्चितता में जीते रहते हैं।

दूसरी तरफ निर्माण की गुणवत्ता भी गंभीर चिंता का विषय है। कहीं छत टपकती है, कहीं दीवारों में दरारें पड़ जाती हैं। खराब पाइपलाइन, बिजली की अव्यवस्थित वायरिंग और दूसरी तकनीकी खामियां लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती हैं। शिकायत करने पर बिल्डर अक्सर जिम्मेदारी लेने से बचते हैं।

रोजमर्रा की सुविधाओं का हाल भी कम खराब नहीं है। पानी की अनियमित आपूर्ति, बार-बार खराब होने वाली लिफ्ट, बंद पड़े सीसीटीवी कैमरे, कमजोर सुरक्षा व्यवस्था, कूड़े के ढेर और अग्निशमन के अधूरे इंतजाम कई सोसाइटियों की पहचान बन चुके हैं। पूजा स्थल, क्लब हाउस, जिम, स्विमिंग पूल, पार्क और बच्चों के खेल मैदान का सपना दिखाकर फ्लैट बेचे जाते हैं, वे कई बार सिर्फ विज्ञापनों तक ही सीमित रह जाते हैं। पार्किंग को लेकर भी विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। कई जगह विज़िटर पार्किंग तक बेच दी जाती है। साझा जगहों पर कब्जा हो जाता है और आए दिन झगड़े होते रहते हैं। शिकायत करने वाले लोगों को भी कई बार मानसिक दबाव या उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि अलग-अलग कानूनों और नियमों के कारण अधिकार और जिम्मेदारियां साफ नहीं हैं। अदालतों में ऐसे हजारों मामले वर्षों तक लंबित रहते हैं। आम परिवार समय और पैसा दोनों गंवाता है, जबकि बड़े बिल्डर कानूनी पेचीदगियों का फायदा उठाते रहते हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश को भी कर्नाटक की तर्ज पर एक व्यापक और प्रभावी अपार्टमेंट स्वामित्व एवं प्रबंधन कानून बनाने की जरूरत है। हर सोसाइटी में समयबद्ध और निष्पक्ष चुनाव अनिवार्य हों। आरडब्ल्यूए बनते ही बिल्डर सभी साझा संपत्तियां, रखरखाव निधि और जरूरी दस्तावेज तुरंत सौंपे। हर साल स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए और उसकी रिपोर्ट सभी निवासियों के लिए सार्वजनिक हो। बैठकों में ऑनलाइन भागीदारी की सुविधा भी हो, ताकि अधिक से अधिक लोग निर्णय प्रक्रिया में शामिल हो सकें।

भ्रष्टाचार उजागर करने वाले लोगों को कानूनी सुरक्षा मिले। शिकायतों का निपटारा महीनों में हो, वर्षों में नहीं। साथ ही नियामक संस्थाओं को ऐसे अधिकार दिए जाएं कि वे नियम तोड़ने वाले बिल्डरों और मनमानी करने वाले आरडब्ल्यूए पर भारी जुमार्ना लगा सकें और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकें।

भारत के शहर तेजी से अपार्टमेंट संस्कृति की ओर बढ़ रहे हैं। आने वाले वर्षों में करोड़ों परिवार बहुमंजिला इमारतों में रहेंगे। ऐसे में पुराने और बिखरे हुए कानून अब पर्याप्त नहीं हैं। समय की मांग है कि फ्लैट खरीदारों के अधिकारों को मजबूत कानूनी सुरक्षा मिले। कर्नाटक ने इस दिशा में कदम बढ़ा दिया है। अब उत्तर प्रदेश सरकार, रेरा, नगर निकायों, आवास विकास संस्थाओं और उपभोक्ता मंचों को भी मिलकर ठोस फैसला लेना होगा।

फ्लैट मालिक कोई एहसान नहीं मांग रहे। उन्होंने अपने खून-पसीने की कमाई से घर खरीदा है। उन्हें सिर्फ वही हक चाहिए, जिसकी कीमत वे पहले ही चुका चुके हैं। आखिर घर सुकून की जगह होना चाहिए, अदालतों और विवादों का स्थायी मैदान नहीं। उत्तर प्रदेश जितनी जल्दी यह सच समझेगा, उतनी ही जल्दी लाखों परिवारों की जिंदगी आसान हो सकेगी।

-बृज खंडेलवाल द्वारा

संपादक जी को पत्र

महोदय

मोबाइल शिक्षकों के लिए वरदान है या बच्चों के लिए अभिशाप

वर्तमान में जहां पठन पाठन में विद्यालयों में बहुतेरे शिक्षक मोबाइल के इस्तेमाल पर निर्भर हैं वही इसका दुष्परिणाम कहीं ना कहीं बच्चों के सीखने के अवसर पर पड़ रहा हैं। प्रायः देखा जाता है कि प्रश्नों का उत्तर शिक्षक मोबाइल से खोज कर सीधे बोर्ड पर लिख देते हैं।जबकि बच्चों का बौद्धिक विकास पूर्ण रूप से तब तक संभव नहीं है, जब तक संबंधित विषय वस्तु अथवा पाठ पर बच्चों में व्यापक चर्चा कर और शिक्षक एक सुगमकर्ता के रूप में अपनी भूमिका सुनिश्चित करते हुए ,बच्चों को खुद कर के सीखने का मार्ग प्रशस्त नहीं करते।विभागीय निर्देश के बावजूद भी आज भी एक नई प्रथा शिक्षकों में प्रचलित हो गई है ।प्रश्न का उत्तर सीधे मोबाइल से डाउनलोड कर बोर्ड पर लिख देना। इसका सबसे बड़ा नुकसान बच्चों को हो रहा है ,जबकि शिक्षक का प्रथम कर्तव्य है बच्चों में समझ को विकसित करना ।समझ को विकसित करने का एकमात्र उपाय किसी भी विषय वस्तु या निर्धारित विषय वस्तु पर ज्यादा से ज्यादा चर्चा कर बच्चों को स्वयं करके सीखने के लिए प्रोत्साहित करना,जब तक ऐसा नहीं होगा बच्चों में सर्वांगीण विकास या शैक्षिक विकास असंभव है ।विशेष कर आधुनिक युग में मोबाइल का उपयोग एक तरफ जहां बहुत सारी जानकारियां इकट्ठा करने के लिए आवश्यक हैं ,वहीं इसका सही इस्तेमाल नहीं होना उतना ही विपरीत परिणाम दायक है। अनुभव के आधार पर यह कहा जा सकता है की बच्चों में समझ को विकसित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा संबंधित विषय वस्तु पर चर्चा किया जाए और बच्चों को खुद करके सीखने का अवसर प्रदान किया जाए। इससे बच्चों का समझ तो विकसित होगा ही ,साथ ही बच्चे बहुत सारी चीज खुद करके सीखने के लिए प्रोत्साहित होंगे ।शिक्षक जब तक मोबाइल से प्रश्न का उत्तर डाउनलोड कर सीधे बोर्ड पर नोट करने के बजाए संबंधित विषय वस्तु को खुद समझकर बच्चों में चर्चा कर एक एक बेहतर सुगमकर्ता के रूप में खुद को प्रस्तुत नहीं करेंगे, तब तक बच्चों में पूर्ण शैक्षिक विकास असंभव है। इसके लिए बार–बार विभागीय दिशा निर्देश के बावजूद आज भी बहुत सारे शिक्षक पठन–पाठन में मोबाइल का गलत इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में विद्यालय के प्रधानाध्यापक की जवाब देही महत्वपूर्ण हो जाती है कि निरंतर निगरानी कर तथा समय–समय पर शिक्षकों के साथ बैठक कर, शिक्षकों को बच्चों के बीच एक बेहतर सुगमकर्ता के रूप में प्रस्तुत करने के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित करें। इससे बच्चों में खोजी मानसिकता प्रवृत्ति विकसित होगी जिससे बच्चों का शैक्षिक विकास तीव्र गति से हो पाएगा।वर्तमान में ए आई के जमाने में सोशल मीडिया पर या गूगल पर बहुत सारे प्रश्नों का उत्तर, बच्चों के पाठ्य पुस्तक से इतर होता है । साथ ही साथ बच्चे अनुकरण करने में माहिर होते हैं और वर्तमान में लगभग प्रत्येक घर में आधुनिक मोबाइल उपलब्ध है। जिसका दुष्प्रभाव होता है की बच्चे घर पर भी दिए गए गृह कार्य का उत्तर मोबाइल से ढूंढ कर लिख देते है।जिससे सर्वाधिक नुकसान बच्चों के बौद्धिक विकास पर पड़ता है।अतः समस्त प्रधानाध्यापक को और विभिन्न स्तर पर जांच करने वाले अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षक वर्ग कक्ष में पठन–पाठन में, जब तक अति आवश्यक ना हो तब तक मोबाइल का इस्तेमाल ना करें।

-रमेश कुमार बक्सर
पूर्व शिक्षक

'जब शिक्षा बनी परीक्षा और परीक्षा बनी पहेली'

भारत बड़ा महान देश है। यहाँ बच्चे के जन्म लेते ही घर वाले दो काम शुरू कर देते हैं–पहला, उसका नाम सोचना और दूसरा, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी की चिंता करना। माँ कहती है, ₹मेरा बेटा अफसर बनेगा।₹ पिता कहते हैं, ₹खेत बेच देंगे, लेकिन पढ़ाई नहीं रुकने देंगे।₹ दादी रोज मंदिर में प्रसाद चढ़ाती हैं और पड़ोसी पहले ही पूछ लेते हैं–₹बेटा किस कोचिंग में है?₹

फिर शुरू होती है भारतीय छात्र की महान यात्रा। सुबह पाँच बजे उठो, कोचिंग जाओ, ऑनलाइन टेस्ट दो, ऑफलाइन टेस्ट दो, मॉक टेस्ट दो, ग्रैंड टेस्ट दो, फिर घर आकर परिवार को विश्वास दिलाओ कि इस बार चयन निश्चित है। पूरा परिवार मान लेता है कि अब बस मेहनत बाकी है।

लेकिन भारत में प्रतियोगी परीक्षा का असली सिलेबस किताबों में नहीं मिलता।

उसका पहला अध्याय है–'पेपर लीक की संभावनाएँ।'

दूसरा अध्याय–'परीक्षा रद्द होने पर मानसिक संतुलन कैसे बनाएँ?'

तीसरा अध्याय–'कोर्ट की अगली तारीख कब है?'

और अंतिम अध्याय–'फिर से तैयारी शुरू करें।'

यही वह पाठ्यक्रम है जिसे लाखों छात्र बिना किसी विश्वविद्यालय की मान्यता के हर वर्ष पढ़ते हैं।

एक समय था जब छात्र परीक्षा से पहले भगवान से प्रार्थना करते थे–'हे प्रभु! जो पढ़ा है वही आ जाए।'

अब प्रार्थना थोड़ी बदल गई है–'हे प्रभु! पेपर समय पर हो जाए, लीक न हो, परिणाम आ जाए, कोर्ट में न फँसे और नियुक्ति भी मिल जाए। बाकी प्रश्न कठिन आ जाएँ तो भी चलेगा।'

कहते हैं भारत में आशा कभी नहीं मरती। शायद इसी कारण लाखों छात्र हर वर्ष नई किताबें खरीद लेते हैं। उन्हें विश्वास होता है कि इस बार सब ठीक होगा। लेकिन कभी–कभी परीक्षा से पहले ही समाचार चैनलों पर ब्रेकिंग न्यूज आ जाती है। 'पेपर वायरल!'

बस, फिर क्या था! वर्षों की मेहनत व्हाट्सऐप विश्वविद्यालय के एक संदेश से मुकाबला करने लगती है।

भारत की शिक्षा व्यवस्था भी बड़ी दिलचस्प है। यहाँ कभी–कभी लगता है कि परीक्षा कम और सस्पेंस थ्रिलर फि ल्म ज्यादा चल रही है।

पहले एडमिट कार्ड डाउनलोड करो।
फिर परीक्षा दो।
फिर उत्तर कुंजी का इंतजार करो।
फिर आपत्ति दर्ज कराओ।
फिर परिणाम का इंतजार करो।
फिर अदालत का इंतजार करो।
फिर जाँच समिति का इंतजार करो।
फिर नई परीक्षा का इंतजार करो।
और अंत में उम्र सीमा समाप्त होने का इंतजार करो।

इतना धैर्य तो शायद ऋषि–मुनियों ने भी नहीं रखा होगा।

देश ने व्यापम जैसा बड़ा विवाद देखा। उसके बाद समय–समय पर विभिन्न राज्यों और संस्थानों की अनेक परीक्षाओं–जैसे फ्रएळ, वढळएळ, ठएएळ–वक्र2024, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती, बिहार शिक्षक भर्ती और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं–को लेकर भी अनियमितताओं, पेपर लीक या न्यायिक एवं प्रशासनिक जाँच की चर्चाएँ सामने आईं। हर घटना के बाद एक बात समान दिखाई देती है–ईमानदार छात्र फिर से शुरूआत की लाइन पर खड़ा मिलता है।

हर बार घोषणा होती है–'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।'

छात्र सोचता है–'बहुत अच्छा, लेकिन मेरी दो साल की तैयारी कौन लौटाएगा?'

कोई उत्तर नहीं मिलता।
सरकारें जाँच बैठाती हैं।
समितियाँ बनती हैं।
रिपोर्ट तैयार होती है।
प्रेस कॉन्फ्रेंस होती है।
नई व्यवस्था लागू होती है।
और छात्र फिर से कोचिंग की फीस जमा कर देता है।

लगता है देश में सबसे स्थायी उद्योग यदि कोई है, तो वह है–₹दोबारा तैयारी उद्योग।₹

सबसे मजेदार बात यह है कि छात्र कभी सरकार नहीं बदलना चाहता। वह तो बस इतना चाहता है कि उसकी परीक्षा ईमानदारी से हो जाए। उसकी माँग बहुत छोटी होती है–पेपर सुरक्षित रहे, परिणाम समय पर आए और चयन योग्यता के आधार पर हो।

लेकिन जब यही छात्र अपनी बात कहने निकलता है, तब अचानक पूरा प्रशासन सक्रिय हो जाता है।

बैरिकेड तैयार।
पुलिस तैयार।
पानी की बौछार तैयार।
आँसू गैस तैयार।

ऐसा लगता है जैसे छात्र ज्ञापन देने नहीं, बल्कि विश्व कप जीतने निकल पड़े हों।

विडंबना देखिए!

ज्ञापन लेने में पाँच मिनट लगते।
लेकिन ज्ञापन रोकने की तैयारी पाँच घंटे चलती है।
संवाद करने में एक कमरा चाहिए।
रोकने के लिए पूरा चौराहा चाहिए।
यह कैसी गणित है, यह शायद केवल प्रशासन ही समझ सकता है।

लोकतंत्र की सबसे सुंदर बात कही जाती है–₹जनता मालिक है।₹

लेकिन कभी–कभी मालिक को अपने ही कार्यालय के बाहर लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ता है।

वह आवेदन देता है।
रिमाइंडर देता है।
धरना देता है।
अनशन करता है।
फिर भी उसे बताया जाता है–₹आपकी समस्या पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।₹

यह ₹गंभीर विचार₹ कभी–कभी इतना लंबा चलता है कि छात्र की आयु सीमा समाप्त हो जाती है।

सबसे बड़ी विडंबना समाज का रवैया भी है।

किसी फिल्म के संवाद पर राष्ट्रीय बहस हो जाती है।
किसी अभिनेता के बयान पर टीवी स्टूडियो रात भर जगते हैं।
किसी धार्मिक विवाद पर सोशल मीडिया का सर्वर तक गर्म हो जाता है।

लेकिन करोड़ों छात्रों के भविष्य पर चर्चा शुरू होते–होते अक्सर लोगों की रुचि समाप्त हो जाती है।

मानो शिक्षा कोई राष्ट्रीय विषय नहीं, बल्कि वैकल्पिक प्रश्न हो।

हमारे यहाँ एक नया मुहावरा बनना चाहिए–'भारत में सबसे कठिन परीक्षा वह नहीं जो छात्र देता है, बल्कि वह है जो उसकी उम्मीदें देती हैं।'

क्योंकि प्रश्नपत्र तीन घंटे में समाप्त हो जाता है।
लेकिन परिणाम का इंतजार कई महीने चलता है।
और यदि विवाद हो जाए, तो वर्षों तक।

फिर भी छात्र अगले दिन फिर पुस्तक खोल लेता है।

यही इस देश की सबसे बड़ी ताकत है।

यह पीढ़ी हार नहीं मानती।

व्यंग्य यह भी है कि हर मंच से कहा जाता है–'युवा देश का भविष्य हैं।'

बिलकुल हैं।

बस कभी–कभी ऐसा लगता है कि भविष्य की फाइल अभी किसी विभाग में ₹विचाराधीन₹ पड़ी हुई है।

शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं है। यह राष्ट्र निर्माण की नींव है। यदि इसी नींव पर बार–बार प्रश्न उठने लगें, तो केवल छात्रों का नहीं, पूरे समाज का दायित्व बनता है कि वह पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता की माँग करे।

समाधान किसी पर आरोप लगाने या टकराव बढ़ाने में नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने में है जहाँ प्रश्नपत्र सुरक्षित हों, तकनीक का प्रभावी उपयोग हो, दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई हो और ईमानदार छात्रों का विश्वास कभी न टूटे।

क्योंकि किसी भी राष्ट्र की असली ताकत संसद की ऊँची इमारतें, विशाल भवन या बड़े–बड़े भाषण नहीं होते। उसकी असली ताकत वह छात्र होता है, जो रात के दो बजे तक पढ़ते हुए यह विश्वास बनाए रखता है कि उसकी मेहनत का मूल्य मिलेगा।

और जिस दिन यह विश्वास टूट गया, उस दिन केवल एक परीक्षा नहीं हारेगी–पूरी व्यवस्था हार जाएगी।

इसलिए लोकतंत्र की सबसे बड़ी सफलता यह नहीं कि उसने कितने बैरिकेड लगाए, बल्कि यह है कि उसने कितने युवाओं की बात सुनी। क्योंकि लाठियाँ भीड़ को कुछ देर रोक सकती हैं, बैरिकेड रास्ता बदल सकते हैं, लेकिन सपनों की दिशा नहीं बदल सकते। इतिहास गवाह है–जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहीं लोकतंत्र भी जीवित रहता है।

-प्रोफेसर स्वामी ध्यान प्रेम
[सामाजिक चिंतक एवं शिक्षाविद]

27 जुलाई से शनि वक्री, 138 दिन तक दिखाई देगा शनि की उल्टी चाल का प्रभाव

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

कर्मफलदाता, न्यायाधीश और अनुशासन के अधिपति शनिदेव 27 जुलाई से अपनी वक्री चाल में आने वाले है, जिसका शुभ – अशुभ प्रभाव विभिन्न रूप में देखने को मिलेगा।

जनसमूह, श्रमिक वर्ग, न्याय व्यवस्था और शासन प्रणाली इस समय प्रभावित होगी। भूमि से संबंधित घटनाएं, खनिज या तेल से जुड़े मामलों में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं।

राजनीतिक दृष्टि से यह समय सरकारों के लिए समीक्षा और परीक्षा का है। नीतियों पर पुनर्विचार, पुराने निर्णयों की समीक्षा, जनता में असंतोष या विरोध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। सत्ता परिवर्तन, प्रशासनिक फेरबदल एवं न्यायिक मामलों में महत्वपूर्ण निर्णय सामने आ सकते हैं। इस अवधि में विशेष रूप से लोहा, स्टील, मशीनरी, निर्माण (रियल एस्टेट), खनन (माइनिंग), पेट्रोलियम, तेल एवं गैस से जुड़े उद्योगों में धीमापन, लागत वृद्धि या नीतिगत बदलाव देखने को मिल सकते हैं। बड़े प्रोजेक्ट्स में देरी, कानूनी अड़चनें या फंडिंग की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

शनिदेव मीन राशि में वक्री हो रहे है जो धर्म और आध्यात्मिक राशि मानी जाता है,इसका प्रभाव धार्मिक क्षेत्रों पर भी पड़ सकता है।धर्म से जुड़े लोग और धार्मिक संस्थाओं को कष्ट, विवाद अथवा आलोचना का सामना करना पड़ सकता है।

शास्त्रों में कहा गया है 'शनिः कर्मफलदाता च' अर्थात् शनि देव मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। जब जब शनि वक्री चाल में होते हैं, तब बाह्य गति धीमी प्रतीत होती है,परंतु आंतरिक कर्मों का लेखा–जोखा तीव्र हो जाता है।

ज्योतिषीय सिद्धांत के अनुसार 'वक्रग्रहाः फलप्रदाः विशेषतः' अर्थात् वक्री ग्रह सामान्य से अधिक प्रभावशाली हो जाते हैं।

इस वक्री चाल में जिनका भी शनि शुभ अवस्था में है वो राजा तुल्य जीवन के सुखों को प्राप्त कर सकता है वही दूसरी तरफ जिनका शनि अशुभ स्थिति में है, उनको रंक तुल्य कष्ट का भी सामना करना पड़ सकता है।इस अवधि में व्यक्ति के जीवन में पुराने कार्य, अधूरे दायित्व और बीते कर्म पुनः सामने आते हैं। यह समय आत्ममंथन, आत्मसुधार और जीवन की दिशा को पुनः निर्धारित करने का होता है।

शनि वक्री के शुभ प्रभावों में जिन व्यक्तियों ने ईमानदारी, परिश्रम और सत्य का मार्ग अपनाया है, उनके लिए यह समय रुके हुए कार्यों की पुनः शुरूआत, पुराने विवादों के समाधान और आत्मिक उन्नति के अवसर लेकर आता है। वहीं जिनके कर्मों में असंतुलन रहा है, उनके लिए यह समय परीक्षा, विलंब और मानसिक तनाव लेकर आता है।

शनि के वक्री होने से 12 राशियों पर शनि के विभिन्न शुभ अशुभ प्रभाव देखने को मिलेंगे।

मेष राशि के जातकों के लिए यह समय कार्यक्षेत्र में कुछ बाधाओं के माध्यम से धैर्य सिखाने वाला होगा। अचानक कार्यों में रुकावट आ सकती है, परंतु निरंतर प्रयास अंततः सफलता दिलाएगा।

वृषभ राशि के जातकों को आर्थिक मामलों में विशेष सतर्कता रखनी होगी। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है, इसलिए निवेश सोच–समझकर करना आवश्यक रहेगा।

मिथुन राशि के लिए यह समय करियर में परिवर्तन और नई दिशा की ओर संकेत करता है। पुराने कार्यों की समीक्षा होगी और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

कर्क राशि के जातकों के लिए भाग्य धीमी गति से कार्य करेगा, इसलिए केवल भाग्य के भरोसे रहने के बजाय कर्म पर ध्यान देना आवश्यक होगा।

सिंह राशि के जातकों को स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। तनाव बढ़ सकता है, अतः संयम और नियमित दिनचर्या अपनाना लाभकारी रहेगा।

कन्या राशि के लिए यह समय संबंधों की परीक्षा का है। अहंकार या कठोर वाणी से बचते हुए मधुरता बनाए रखना आवश्यक होगा।

तुला राशि के जातकों को कार्यस्थल पर अधिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन परिश्रम के बल पर सफलता भी सुनिश्चित होगी।

वृश्चिक राशि के लिए यह समय मिश्रित परिणाम देने वाला है। अचानक लाभ के अवसर मिल सकते हैं, परंतु किसी भी निर्णय में जल्दबाजी हानिकारक हो सकती है।

धनु राशि के जातकों को पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाए रखना होगा। छोटे–छोटे विवाद बढ़ सकते हैं, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लेना आवश्यक है।

मकर राशि के लिए यह समय आर्थिक दृष्टि से सुधार का संकेत देता है, परंतु खर्चों पर नियंत्रण रखना उतना ही महत्वपूर्ण होगा।

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह समय आत्मविश्वास और आत्मबल में वृद्धि का है। नई योजनाएं बनेंगी और धीरे–धीरे सफलता की दिशा स्पष्ट होगी।

वहीं मीन राशि के जातकों को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है, क्योंकि छिपे हुए शत्रु या विरोधी सक्रिय हो सकते हैं।

विशेष रूप से जिन व्यक्तियों पर शनि की साढ़े साती, ढैया या नीच शनि का प्रभाव चल रहा है, उनके लिए यह समय थोड़ा अधिक संवेदनशील और धैर्यपूर्ण होगा। साढ़े साती के दौरान जीवन में बड़े परिवर्तन,लोन से संबंधित समस्याएं और जिम्मेदारियों का भार बढ़ सकता है। ढैया में कार्यों में विलंब और मानसिक तनाव अधिक देखने को मिलता है, जबकि नीच शनि होने पर शारीरिक व मानसिक कष्ट, हॉस्पिटल के खर्च, एक्सीडेंट्स, व्यापार में नुकसान निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास प्रभावित हो सकता है।

वक्री शनि के दौरान शनि जन्मकुंडली के जिस भाव में शुभ अथवा अशुभ स्थिति में बैठा होगा उस भाव से संबंधित एवं जहां जहां शनि तीसरी,सातवीं व दसवीं दृष्टि डाल रहा होगा उन सभी भावों को प्रभावित करेगा। वक्री शनि सामान्य शनि से तीन गुणा अधिक प्रभावशाली बन जाता है यदि शनि कुंडली में शुभ अवस्था में हुआ और व्यक्ति के कर्म सकारात्मक है तो इस अवस्था में शुभता तीन गुणा अधिक बढ़ जाएगी वहीं यदि शनि अशुभ अवस्था में हुआ और व्यक्ति के कर्म भी अन्य को पीड़ा पहुंचाने जैसे है तो शनि की अशुभता बहुत अधिक बढ़ जाएगी जिसका प्रभाव उस व्यक्ति के जीवन में नकारात्मक रूप में दिखाई देगा। वक्री शनि एक रूप में परीक्षा की घड़ी है जिसमें संयम और सेवा ही बचाव का साधन होता है। शास्त्रों में शनि को प्रसन्न करने के सरल उपाय बताए गए हैं 'दानं तपश्च यज्ञ' शनि तुष्टिकरं स्मृतम्ह्न। अमावस्या व शनिवार को पीपल में सरसों के तेल का दीपक जलाना, पीपल वृक्ष की परिक्रमा करना, 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का जप करना, काले तिल, उड़द, जूते और लोहे का दान करना तथा मजदूर,मेहनतकश व जरूरतमंदों की सेवा करना अत्यंत लाभकारी माना गया है।

शनि की वक्री चाल से चिंतित होने अथवा घबराने के स्थान पर 'धैर्येण सर्वं साध्यते' अर्थात् धैर्य को अपना लेना उचित होगा क्योंकि धैर्य, सत्य और कर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति शनि के इस प्रभावकाल में भी अशुभता से बच कर स्थिरता प्राप्त कर सकता है।

फर्जी पत्रकारों की खंगाली जायेगी कर्म कुंडली, जायेंगे जेल

प्रशासन के साथ ब्रज प्रेस क्लब जुलाई के अंतिम सप्ताह में चलाएगा चेकिंग अभियान

■ फर्जी पत्रकारों की करतूतों पर अंकुश को डीएम और एसएसपी को दिया ज्ञापन
■ वास्तविक, स्वच्छ छवि और कर्मठ पत्रकारों का रहेगा पूरा समान: उपमन्यु

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज प्रेस क्लब द्वारा मथुरा के जिलाधिकारी और एसएसपी को एक ज्ञापन देकर फर्जी पत्रकारों के विरुद्ध एक विशेष अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही की मांग की गई

पत्रकारों से वार्ता करते हुए जिलाधिकारी श्री चंद्रप्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री श्लोक कुमार ने कहां कि जिला सूचनाअधिकारी के माध्यम से एवं पुलिस की तरफ से एसपी स्तर से एवं गुप्तचर विभाग से अलग-अलग स्तर पर जांच होगी अगर कोई अपराधी पत्रकार बनकर घूम रहा है तो उसके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही होगी

दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी जवाबदेही को लेकर की गई महत्वपूर्ण टिप्पणी के बाद ब्रज प्रेस क्लब द्वारा फर्जी पत्रकारों एवं "प्रेस" लिखे फर्जी

वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

बृज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट ने कहा कि न्यायालय की टिप्पणी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने के लिए फर्जी और गैर-जिम्मेदार तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि आज मोबाइल और माइक्रोफोन लेकर कोई भी स्वयं को पत्रकार बताने लगता है, जबकि उसके पास न तो पत्रकारिता का प्रशिक्षण होता है और न ही समाज के प्रति जवाबदेही। उन्होंने कहा कि समिति का अभियान वास्तविक पत्रकारों के विरुद्ध नहीं, बल्कि पत्रकारिता की आड़ में गलत गतिविधियां करने वाले फर्जी पत्रकारों तथा अवैध रूप से "प्रेस" लिखकर चलाए जा रहे वाहनों के खिलाफ है।

उन्होंने बताया कि अंतिम सप्ताह जुलाई से जिले के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी से मिल कर विशेष अभियान पूरे बृज क्षेत्र में चलाया जाएगा

उन्होंने बृज क्षेत्र के सभी प्रिंट, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े पत्रकारों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है।

यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि पत्रकारिता की साख बचाने का जन-जागरण अभियान की तरह होगा है।

मंगलवार को मथुरा जिला मुख्यालय पर सभी इलेक्ट्रॉनिक प्रिंट एवं सोशल साइट युटयुबर्स के अच्छे और सम्मानित पत्रकारों ने बड़ी संख्या में एक साथ मिलकर के जिलाधिकारी और एसएसपी से मिलकर के एक ज्ञापन दिया ,जिसमें फर्जी पत्रकारों पर रोक लगे समाज को लूटने वाले एवं संस्थानों में जाकर ब्लैकमेलिंग कर चौथ वसूली करने वाले लोगों पर रोक लगाई जा सके। ऐसे अपराधी माफिया लुटेरे जो फर्जी पत्रकार बनकर के घूम रहे हैं उनको बेनकाब किया जा सके उनकी जांच कर के उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही कराई जा सके।

नगर पंचायत कराएगी चकलेश्वर मार्ग की मरम्मत: मनीष

■ सीवेज लाइन बिछाने के बाद हो गया था गड्ढा
■ पानी की एक पाइप लीकेज ने बिगाड़ी स्थिति

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, गोवर्धन।

चकलेश्वर मार्ग की हालत सीवेज लाइन के बिछने के बाद हो गई थी। पानी की एक अन्य पाइप लाइन की लीकेज ने स्थिति और बिगाड़ दी। नगर पंचायत इस मार्ग की मरम्मत कराएगी।

नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार ने बताया कि इस मार्ग पर सीवेज लाइन वर्ष 2008 में जल निगम ने बिछाई थी। इसके बाद नगर पंचायत को हैंडओवर कर दी गई। तब इस मार्ग को सही करा दिया था। लेकिन, इसी स्थान पर पानी की एक अन्य पाइप लाइन लीकेज होने लगी। इससे बहुत बड़ा गड्ढा हो गया था।

कई बार इसे सही कराया गया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इस गड्ढे को सही कराने में समय लगेगा। चूंकि, मुड़िया मेला आ गया, ऐसे में अभी अस्थाई मरम्मत के लिए इसमें मिट्टी और बालू आदि भरवा दी है। मेला के बाद इस मार्ग की समस्या का स्थाई समाधान करा दिया जाएगा। ये कार्य नगर पंचायत की प्राथमिकता में है। विदित है कि गुरु पूर्णिमा पर इसी मार्ग से मुड़िया संत परिक्रमा करने

जाते और आते हैं।

मेला के दौरान चकाचक रहेगा परिक्रमा मार्ग

चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार ने बताया कि मुड़िया मेला की तैयारी जोरों पर है। परिक्रमा मार्ग के साथ ही पूरे नगर में भी साफ सफाई नियमित कराई जा रही है। श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। मोबाइल शौचालय रखवाए जायेगें। मानसी गंगा पर आकर्षक सजावट होगी। गोवर्धन नगर में भी सजावट कराई जाएगी।

परिक्रमार्थियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बिखेरी जाएंगी।गुलाब जल का छिड़काव कराया जाएगा। उन्होंने नगरवासियों से अपील की है कि वे श्रद्धालुओं की सुविधा में सहयोग करें।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि की कारसेवा अब दिल्ली की बजाय वृंदावन से होगी प्रारंभ

देश के भिन्न अखाड़ों के संत महंत और महामंडेलेश्वर लेंगे भाग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

श्री चित्रगुप्त पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी सच्चिदानंद महाराज बताया कि पूर्व में घोषित कार्यक्रम में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पूरी महाराज के आदेशानुसार श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति कार सेवा संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब 9 अगस्त को दिल्ली से प्रस्तावित कार सेवा के स्थान पर श्री चित्रगुप्त पीठ, जुलहेंदी (वृंदावन) में कार्यशाला के भूमि पूजन के साथ कार सेवा का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण हेतु कारीगरों द्वारा उपयुक्त पत्थरों का चयन कर नक्काशी का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। यह कार्यक्रम श्रीकृष्ण

जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को समर्पित रहेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवीन्द्र पुरी महाराज, पंचदश नाम जूना अखाड़ा से स्वामी चक्रपाणि महाराज, निर्मोही अखाड़े के महंत सीताराम दास महाराज, निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर वेदमूर्ति महाराज श्री चित्रगुप्त अखाड़ा के महामंडलेश्वर सुरेशानंद महाराज, महामंडलेश्वर लाल बाबा पुजारी, जागेश्वर धाम अल्मोड़ा प्रपन्नााचार्य अवधेशानंद महाराज, महामंडलेश्वर संतोषानंद महाराज, चंद्रदेव महाराज, महामंडलेश्वर शिवानंद महाराज, भंडारी बाबा, लाल बाबा सहित देशभर से बड़ी संख्या में संत-महात्मा, धमाचार्य एवं सनातन धर्मावलंबी उपस्थित रहेंगे।स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि 9 अगस्त का कार्यक्रम श्रीकृष्ण जन्मभूमि के प्रति श्रद्धा, आस्था और मंदिर निर्माण के संकल्प को समर्पित रहेगा।

उन्होंने सभी सनातन धर्मावलंबियों से कार्यक्रम में सहभागिता का आह्वान किया।

कस्तूरबा विद्यालय में नये छात्रों के पंजीकरण बढ़ाएं: सीडीओ

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा। बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत जिला स्तरीय अधिकारियों की जुलाई माह की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता की अध्यक्षता में किया। बैठक में सीडीओ द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित की जा रही सभी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कम पंजीकरण पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा गहरा रोष व्यक करते हुए नये छात्रों का पंजीकरण बढाने के लिए संबंधित वार्डन को कठोर चेतावनी देते हुए अधिक से अधिक पंजीकरण कराने हेतु निर्देशित किया गया। समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए सभी कार्य समय से पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

राहत: इस बार नगरीय निकायों में चार महीने चलेगी ओटीएस

करदाताओं को ब्याज एवं सरचार्ज पर शत प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी: राजीव कुमार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगरीय निकायों में इस बार चार महीने लम्बी ओटीएस स्कीम लाई जा रही है। स्कीम में करदाताओं को ब्याज एवं सरचार्ज पर शत प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में लंबित सम्पत्ति कर (गृहकर, जलकर एवं सीवरकर) की प्रभावी वसूली, करदाताओं को व्यावहारिक राहत प्रदान करने, न्यायालयों में लंबित वादों की संख्या कम करने तथा नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 15 अगस्त से 15 दिसम्बर 2026 तक एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। शासनादेश में करदाताओं को ब्याज एवं सरचार्ज पर शत प्रतिशत छूट प्रदान करने के साथ साथ मूल बकाया धनराशि के भुगतान के लिए

अधिकतम तीन किस्तों की सुविधा भी प्रदान की गई है। जिससे करदाताओं पर आर्थिक भार कम होगा तथा अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ लेकर अपना बकाया कर जमा कर सकेंगे। शासनादेश में यह भी स्पष्ट निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक नगरीय निकाय द्वारा सभी बकायेदारों को ई मेल, एसएमएस एवं पत्र के माध्यम से व्यक्तिगत सूचना उपलब्ध कराई जाए, विशेष शिविर एवं जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाए तथा होर्डिंग, समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं अन्य प्रचार माध्यमों के द्वारा योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाए, जिससे योजना का अधिकतम लाभ आम नागरिकों तक पहुंच सके। यह योजना नगर निगम मथुरा वृंदावन के लिए राजस्व वृद्धि का एक स्वर्णिम अवसर है। यदि इसका प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से क्रियान्वयन किया जाता है तो नगर निगम को वर्षों से लंबित गृहकर, जलकर एवं सीवरकर की बड़ी धनराशि प्राप्त होगी। इससे नगर निगम की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी तथा प्राप्त राजस्व से सड़क, नाली, पेयजल, सीवर, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, पार्क एवं अन्य आधारभूत नागरिक सुविधाओं के विकास कार्यों को तीव्र गति प्रदान की जा सकेगी। साथ ही करदाताओं को ब्याज एवं सरचार्ज से राहत मिलने के कारण शासन एवं नगर निगम के प्रति उनका विश्वास भी सुदृढ़ होगा तथा अनावश्यक न्यायालयीय वादों में भी कमी आएगी।

वर्जन

नगर निगम मथुरा वृंदावन में एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन कराया जाए। प्रत्येक वार्ड में विशेष सहायता शिविर स्थापित किए जाएंगे। डिफॉल्टर करदाताओं को व्यक्तिगत सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए तथा योजना की नियमित समीक्षा कर अधिकतम राजस्व प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

-एडवोकेट एवं पार्षद राजीव कुमार सिंह

जंतर मंतर पर चल रहे आंदोलन में मथुरा की भी आहुति

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

20 जुलाई को अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के कार्यकर्ता तमाम निगरानी के बावजूद पुलिस को चकमा देकर रमेश सैनी के नेतृत्व में दिल्ली जंतर मंतर पर चल रहे प्रदर्शन का समर्थन किया।

इस मौके पर रमेश सैनी, लक्ष्मण आनंद, व लुकेश कुमार राही ने संयुक्त रूप से केंद्र में बैठी भाजपा सरकार को तानाशाही एवं दमनकारी बताकर छात्र छात्राओं पर की गई लाठीचार्ज की घोर निंदा की। साथ ही हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने इस आंदोलन को ऐतिहासिक बना दिया।

जंतर मंतर पहुंचे दो दर्जन से ज्यादा कार्यकताओं में प्रमुख रूप से रमेश सैनी, अजय सनवाल, लुकेश राही, संजय कुमार बीडीसी उपाध्यक्ष, महासचिव नरेश चौधरी, आकाश बाबू,आदिति सनवाल, अंशिका राही, नरेंद्र कुमार, सत्येंद्र कुमार, डॉक्टर अरुण कुमार, जयपाल सिंह,सनी कुमार, राज गब्बर नेताजी, मनोज कुमार,सागर सिंह, सुमित कुमार,मनीष कुमार, अशोक कुमार, आशीर्वाद, जितेंद्र कुमार, प्रकाश बादल, संदेश कुमार केन,प्रेम सिंह विमल,विजय सिंह, डॉक्टर रामकुमार, सी वी विकल, कुमारी राखी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज ने जंतर मंतर पहुंच कर आमरण अनशन को स्वतंत्र भारत का नौजवानों के पक्ष में ऐतिहासिक आंदोलन बताते हुए सोनम वांगचुक के जज्बे को सलाम किया।

इस अवसर तिरंगा शाखा के जिला प्रमुख सुरेश कुमार सैनी के अलावा आम आदमी पार्टी किसान प्रकोष्ठ के प्रांतीय नेता चेतन कृष्णा एवं छाता विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी भी मथुरा से साथ में थे।

बारिश ने खोली स्वच्छता अभियान की पोल, रंगनाथ मंदिर मार्ग पर बहा गंदा नाला

वृंदावन में हल्की बारिश के बाद रंगनाथ मंदिर मार्ग पर नाले का गंदा पानी सड़क पर बहा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा-वृंदावन नगर निगम भले ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के बड़े-बड़े दावे कर रहा हो, लेकिन जरा सी बारिश ने इनबताया जा रहा है कि हाल ही में नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा वृंदावन में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया था। सोशल मीडिया पर अभियान की तस्वीरें और वीडियो साझा कर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बताने का दावा भी किया गया। हालांकि, बारिश के बाद सामने आए हालात इन दावों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम द्वारा नालों की नियमित सफाई नहीं कराई जाती। यही वजह है कि हल्की बारिश होते ही नाले ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने

लगते हैं। गंदे पानी के बीच से राहगीरों और श्रद्धालुओं को गुजरना पड़ रहा है, जिससे संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी रहती है। वृंदावन देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिरों के आसपास गंदगी और जलभराव की स्थिति न केवल श्रद्धालुओं को असुविधा पहुंचाती है, बल्कि धार्मिक नगरी की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम से मांग की है कि जमीनी स्तर पर नालों की नियमित सफाई, जल निकासी की बेहतर व्यवस्था और स्वच्छता पर प्रभावी कार्य किया जाए, ताकि बारिश के दौरान इस तरह की समस्याओं से लोगों को राहत मिल सके।

अमर जवान ज्योति पर दी शहीदों को श्रद्धांजलि

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास मथुरा के अधिकारी कमांडर जगबीर सिंह ने अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मथुरा के सदस्यों एवं वीर नारियों के साथ मिलकर अमर जवान ज्योति पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कमांडर जगबीर सिंह ने हाल ही में मथुरा के जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी के रूप में पदभार संभाला है। उन्होंने कहा कि मेरी सेवा पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों के परिवार के सदस्यों के हितों के लिए पूर्ण समर्पित रहेगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चौधरी रामपाल सिंह, विजयपाल सिंह, बलबीर सिंह, डॉ. रमेश चन्द, हरिओम सिंह फौजदार, भगवान सिंह, जोगेन्द्र सिंह, राधारमण शर्मा, धर्मेंद्र सिंह, नेपाल सिंह, लाल चन्द कुशवाह, सुरेश बाबू, केसी ठकुरेला, वीरेश, वीर नारियां, मनोज कुलश्रेष्ठ एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

मुकुल कांत बने जिलाध्यक्ष और मनोज जिला मंत्री

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारणी प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार तिवारी एवं प्रदेश महामंत्री उमाशंकर सिंह द्वारा घोषित की गई। कार्यकारणी में धर्म सिंह जिला कोषाध्यक्ष, विजय कुमार शर्मा जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनुपम शर्मा जिला संयुक्त मंत्री, धर्मेन्द्र प्रसाद भारद्वाज, आशुतोष उपाध्याय, हरिकांत शर्मा, अविनाश शुक्ला, निशा शर्मा जिला उपाध्यक्ष, प्रेम किशोर शर्मा, संजय चिंकारा, डा नेहा अग्रवाल, अर्चना चौधरी, सुरेश चौधरी जिला संगठन मंत्री, मौ ताहिर, राम कुमार, गोपाल गौतम, अनीता चौधरी, मुरारी लाल उपाध्याय जिला प्रचार मंत्री और श्याम सुन्दर कौशिक जिला आय व्यय निरीक्षक घोषित हुए। संगठन के कार्यों में गति लाने के उद्देश्य से जनपद मथुरा की नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। सुप्रीम कोर्ट के टीईटी अनिवार्यता के आदेश से शिक्षकों की सेवा को विभागीय टीईटी एवम न्यायालयी संघर्षो के द्वारा सुरक्षित करने, वर्षों से लंबित 17140-18150 वेतनमान की विसंगति का शीघ्र निस्तारण कराने, बीटीसी 2001, उर्दू बी टी सी 2004, बीटीसी 2005 की लंबित पुरानी पेंशन पत्रावलियों पर शासन की स्वीकृति दिलाने, टाइम एण्ड मोशन शासनादेश में एक घण्टा बढ़ाए गये समय को वापस कराने, नगरनिगम मथुरा वृन्दावन की आठ किलोमीटर की परिधि में कार्यरत शिक्षक, शिक्षिकाओं को नगर निगम का मकान किराया भत्ता दिलाने, शिक्षकों के बार्षिक स्थानान्तरण की प्रकिया को पुन: बहाल कराने जैसे मुद्दों पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार तिवारी ने शीघ्र अति शीघ्र हल कराने का आश्वासन दिया। मुकुल कान्त उपाध्याय व मनोज चौधरी ने कहा कि जनपद में निष्क्रिय संगठन को सक्रिय करके पुन: स्थापित किया गया है। कार्यकारणी में चुने जाने पर कुलदीप सारस्वत,डोरीलाल शर्मा जिलाध्यक्ष एआरपी संघ, सुषमा तिवारी, महिमा जालान, राकेश सारस्वत, विनय उपाध्याय, भावना भटनागर, हरविंदर सिह, लता शर्मा, नरेश कुमार, रेणुका पौरुष, राधा अग्रवाल, कृष्ण गोपाल शर्मा, मुकेश चाहर, साहव सिंह, पद्मावती, राहुल अग्रवाल, भगवती दिवाकर मनोज गौतम, यशवेद्र चौधरी, योगेन्द्र सिंह, आकाश गुप्ता आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

आधार फेस ऑथेंटिकेशन करके 600 टीबी मरीजों को वितरित की पोषण पोटली

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद में संचालित 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के तहत मंडोना रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन के सहयोग से गोवर्धन, बरसाना, बलदेव एवं फरह क्षेत्र के 600 से अधिक उपचाररत क्षय रोगियों को पौष्टिक सामग्री वितरित की गई। 300 से अधिक मरीजों का मौके पर ही आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन कराया गया, ताकि निक्षय पोर्टल पर उनकी आवश्यक प्रक्रियाएं समय से पूर्ण हो सकें और उन्हें योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने कहा कि टीबी का उपचार तभी प्रभावी होता है, जब मरीज नियमित रूप से दवा लेने के साथ-साथ पौष्टिक आहार का सेवन करें और चिकित्सीय सलाह का पालन करें। उन्होंने बताया कि टीबी मरीज के साथ रहने वाले परिवार के सदस्यों में संक्रमण की आशंका अधिक रहती है। इसलिए सभी निकट संपर्कों का चेस्ट एक्स-रे एवं आवश्यक टीबी जांच अवश्य करानी चाहिए, ताकि यदि किसी में संक्रमण हो तो उसकी समय रहते पहचान कर उपचार शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनपद में 24 मार्च से संचालित 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में लगातार स्क्रीनिंग, एक्स-रे एवं एनएएटी जांच कराई जा रही है। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से मरीजों को पोषण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है तथा जनभागीदारी के माध्यम से टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में मरीजों से अपील की गई कि वे उपचार बीच में न छोड़ें, समय-समय पर फॉलोअप कराते रहें तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी टीबी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच कराने के लिए प्रेरित करें।

इंटरमीडिएट पत्राचार के बनाये 6 केन्द्र

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद ने पत्राचार से इंटरमीडिएट की पढाई करने के लिए वीपीडी राजकीय इंटर कालेज मथुरा, श्री ब्रज आदर्श इंटर कालेज मांट, श्री राधा बिहारी इंटर कालेज बरसाना, हजारी मल सोमानी नगर निगम इंटर कालेज वृंदावन, श्री चमेली देवी खंडेलवाल गर्ल्स इंटर कालेज मथुरा, नगर पालिका बालिका इंटर कालेज कोसीकलां को पत्राचार से इंटरमीडिएट की पढाई करने के लिए केन्द्र बनाया गया है।

वृंदावन में होटल एवं गेस्ट हाउस संचालक एसोसिएशन का गठन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

वृंदावन के चैतन्य विहार में सोमवार को नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के तत्वावधान में होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से होटल एवं गेस्ट हाउस संचालक एसोसिएशन का गठन किया गया। बैठक में आलोक बंसल को एसोसिएशन का संस्थापक अध्यक्ष, आंशू गौराम को अध्यक्ष, रामू गुप्ता को महामंत्री तथा आकाश गोस्वामी को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन का उद्देश्य होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों के हितों की रक्षा करना, उनकी समस्याओं का समाधान कराना और व्यवसाय से जुड़े मुद्दों को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाना होगा। संस्थापक अध्यक्ष आलोक बंसल ने कहा कि वृंदावन आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही सभी होटल संचालक शासन और प्रशासन द्वारा जारी नियमों एवं दिशा-निदेर्शों का पूरी तरह पालन करेंगे।

एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी होटल या गेस्ट हाउस संचालक का बेवजह उत्पीड़न किया जाता है, तो पूरा संगठन एकजुट होकर उसके खिलाफ आवाज उठाएगा और विधिक तरीके से संघर्ष करेगा बैठक में बड़ी संख्या में होटल और गेस्ट हाउस संचालकों ने भाग लिया और नवगठित एसोसिएशन से पर्यटन और होटल व्यवसाय से जुड़े मुद्दों के समाधान तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की उम्मीद जताई।

जन-शिकायतों में लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी सख्त, 03 दिन में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न हुआ तो रुकेगा वेतन

आई.जी.आर.एस. की समीक्षा में अधिकारियों को चेतावनी, डिफॉल्टर श्रेणी में पहुंची शिकायतों पर होगी दंडात्मक कार्यवाही

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त जन-शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा करते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि जन-शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता, उदासीनता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी, समीक्षा के दौरान आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर उन्होने अवर अभियंता मंडी परिषद, सहायक विकास अधिकारी मैनपुरी, सुल्तानगंज, कुरावली, उप निबंधक किशनी, विपणन सहायक, ए.सी.ओ. चकबंदी प्रथम, द्वितीय, ए.एम.ए. जिला पंचायत को सचेत करते हुए कहा कि यदि लंबित प्रार्थना पत्र अगले 03 दिन में गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण न किए गए तो उत्तरदायित्व निर्धारित कर प्रतिकूल प्रविष्टि के साथ वेतन आहरण पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि जन-समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है, इसमें किसी भी स्तर पर कोताही अक्षम्य होगी। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि किसी भी विभाग में कोई भी शिकायती प्रार्थना पत्र डिफॉल्टर की श्रेणी में न पहुंचे, शिकायत के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, शिकायतकर्ता से वार्ता करने के उपरांत ही आख्या अपलोड की जाए, अधिकारी प्रतिदिन आई.जी.आर.एस. पोर्टल को लॉगिन करें, अधीनस्थों पर निर्भर न रहें यदि किसी विभाग में कोई शिकायती प्रार्थना पत्र डिफाल्टर हुआ तो संबंधित विभाग के अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर दंडात्मक कार्यवाही होगी।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर उसका प्रभावी एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी विभाग की कोई भी शिकायत डिफॉल्टर की श्रेणी में न पहुंचे, शिकायत प्राप्त होने के साथ ही उसका नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा संबंधित आख्या समय से आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर अपलोड की जाए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा का उल्लंघन विभागीय कार्य-प्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाता है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होने शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि केवल औपचारिक आख्या अपलोड करना पर्याप्त नही, प्रत्येक शिकायत का तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष परीक्षण किया जाए तथा शिकायतकर्ता से वार्ता करने के उपरांत ही संतोषजनक आख्या पोर्टल पर अपलोड की जाए यदि शिकायतकर्ता की बात सुने बिना अथवा वास्तविक स्थिति का परीक्षण किए बिना निस्तारण किया गया तो ऐसे मामलों की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी। विभागाध्यक्ष नियमित रूप से लंबित शिकायतों की समीक्षा करें तथा यह सुनिश्चित करें कि किसी भी शिकायत का निस्तारण समय-सीमा से बाहर न जाए, व्यक्तिगत मॉनिटरिंग से ही शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता और गति में सुधार संभव है।

इस दौरान संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों के अलावा डिप्टी कलेक्टर अशोक कुमार सैनी, विकल्प, ई-डिस्ट्रिक मैनेज सौरभ पाण्डेय, आई.जी.आर.एस. पटल सहायक अनुज कुमार आदि उपस्थित रहे।

करहल में पुलिस का फ्लैग मार्च, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की हुई सघन चेकिंग

टीएनएफ टुडे, करहल।

क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), क्षेत्राधिकारी करहल तथा प्रभारी निरीक्षक करहल ने पुलिस बल के साथ कस्बे के प्रमुख मार्गों पर पैदल गश्त की। इस दौरान आमजन को सुरक्षा का एहसास कराया गया और असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी गई।

पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बाजार, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं प्रमुख चौराहों का निरीक्षण किया। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की गई। पुलिस टीम ने वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी।

अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ कार्य करने तथा क्षेत्र में लगातार गश्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की इस कार्रवाई से आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई। करहल पुलिस ने लोगों से भी अपील की कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

दिल्ली आंदोलन और मैनपुरी कार्यक्रम के मद्देनजर भाकियू टिकैत के जिला प्रमुख महासचिव अनुज यादव हाउस अरेस्ट

टीएनएफ टुडे, करहल।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के जिला प्रमुख महासचिव अनुज यादव को सोमवार को पुलिस ने उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर दिया। प्रशासन को सूचना मिली थी कि संगठन के कार्यकर्ता दिल्ली में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन के समर्थन तथा मैनपुरी में आयोजित बैठक के बाद ज्ञापन सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। इसे देखते हुए एहतियात के तौर पर पुलिस ने अनुज यादव को उनके आवास पर ही रोक दिया।

सुबह से ही पुलिस बल उनके आवास पर तैनात रहा और बाहर आने-जाने पर निगरानी रखी गई। इस दौरान भाकियू कार्यकताओं में नाराजगी भी देखने को मिली।

अनुज यादव ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है और प्रशासन द्वारा उन्हें रोकना उचित नहीं है। बाद में प्रशासनिक अधिकारियों और किसान नेताओं के बीच वार्ता हुई। बातचीत के बाद स्थिति सामान्य हुई और प्रशासन ने अनुज यादव को हाउस अरेस्ट से मुक्त कर दिया। इसके बाद किसान नेताओं ने प्रशासन को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपने की बात कही।

प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया था। वहीं किसान यूनियन ने स्पष्ट किया कि वह किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाती रहेगी। पूरे घटनाक्रम के दौरान क्षेत्र में पुलिस बल तैनात रहा और स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही।

पंचायत चुनाव में देरी: जनता क्या चाहती है? गांव-गांव में अलग-अलग राय

हरवीर यादव

नीलेश यादव

पुष्पेंद्र यादव

शादाब कुरैशी

महेश बाबू

ऋषीकान्त दुबे

करहल/मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की तारीखों का अभी तक ऐलान नहीं होने से ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी चचाएं तेज हो गई हैं। गांवों की चौपालों से लेकर बाजारों तक लोग यही सवाल कर रहे हैं कि आखिर पंचायत चुनाव कब होंगे। संभावित प्रत्याशी भी लंबे समय से चुनाव की तैयारी में जुटे हैं और तारीखों का इंतजार कर रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधियों का चुनाव समय पर होना चाहिए, ताकि विकास कार्यों में तेजी आए और जनता को अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने का अवसर मिले। वहीं राजनीतिक दलों के समर्थकों की भी इस मुद्दे पर अलग-अलग राय सामने आ रही है।

सपा समर्थक महेश बाबू का कहना है कि"पंचायत चुनाव जल्द कराए जाने चाहिए। जनता अपने प्रतिनिधि का चुनाव करना चाहती है। चुनाव में देरी से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।"

भाजपा समर्थक शादाब कुरैशी का कहना है की सरकार जब भी चुनाव कराएगी, पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कराएगी। जनता विकास के आधार पर अपना फैसला देगी।"

सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पेंद्र यादव का कहना है कि "पंचायत लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी है। चुनाव समय पर होना जरूरी है ताकि गांवों की समस्याओं का समाधान बेहतर तरीके से हो सके।"

समाजसेवी हरवीर यादव ने बताया है कि"गांव की सड़क, पानी और सफाई जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। नए प्रतिनिधि चुनने के लिए जल्द चुनाव होना चाहिए।"

नीलेश यादव ने बताया है कि"युवा वर्ग चाहता है कि पंचायत चुनाव जल्द हों। इससे युवाओं को भी गांव की राजनीति और विकास में भागीदारी का मौका मिलेगा।"

ग्रामीण क्षेत्रों में फिलहाल पंचायत चुनाव को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि चुनाव कार्यक्रम घोषित करने का अधिकार राज्य निर्वाचन आयोग का है। चुनाव की आधिकारिक घोषणा होने के बाद ही तस्वीर पूरी तरह साफ होगी। तब तक गांवों में संभावित उम्मीदवारों और मतदाताओं के बीच चुनावी चचाओं का दौर लगातार जारी है।

पूर्व राजस्व मंत्री स्व. बाबूराम यादव की 26वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि, विधायक तेज प्रताप यादव बोले– 'उनके आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि'

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल। उत्तर प्रदेश के पूर्व राजस्व मंत्री स्वर्गीय बाबूराम यादव की 26वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को करहल स्थित बाबूराम यादव महाविद्यालय में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन से हुई, जिसके बाद श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। करहल विधायक तेज प्रताप यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने स्व. बाबूराम यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए करहल विधायक तेज प्रताप यादव ने कहा कि "स्वर्गीय बाबूराम यादव ने अपना पूरा जीवन जनता की सेवा, किसानों के हितों की रक्षा और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनका जीवन संघर्ष, सादगी, ईमानदारी और जनसेवा का प्रतीक था। उनके विचार और सिद्धांत आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।"

उन्होंने कहा कि "आज आवश्यकता इस बात की है कि हम उनके बताए हुए रास्ते पर चलें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करें। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नई पीढ़ी को उनके जीवन संघर्ष और आदर्शों से सीख लेकर समाज और देश के निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।"

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी स्व. बाबूराम यादव के राजनीतिक और सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और हमेशा आमजन की आवाज बनकर कार्य किया। उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली को आज भी लोग सम्मान के साथ याद करते हैं।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान सभी अतिथियों ने स्व. बाबूराम यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके बताए हुए आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, शिक्षण संस्थान के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में स्व. बाबूराम यादव के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिला।

इस मौके पर पूर्व विधायक अनिल यादव, इंजी रघुनंदन यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राहुल यादव, अर्पित यादव आदि ने कार्यक्रम में पहुचे सभी का आभार भी व्यक्त किया है।

इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य, करहल चैयरमैन चौधरी अब्दुल नईम, ब्रजकुमार यादव, उदयवीर यादव, महेश बाबू, धर्मवीर राही, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बिल्लू यादव, निदेशक डॉ जेपी यादव, उमेश यादव, नकुल यादव समेत आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

विवेक पाण्डेय की पुस्तक 'राजनीति पर वंशवाद की छाया' हुई प्रकाशित

टीएनएफ टुडे, करहल।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक विवेक पाण्डेय की पुस्तक राजनीति पर वंशवाद की छाया प्रकाशित हो गई है। लेखक विवेक पाण्डेय ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि यह पुस्तक भारतीय राजनीति में वंशवाद की बढ़ती प्रवृत्ति की गहराई से पड़ताल करती है। इसमें बताया गया है कि किस प्रकार सत्ता कुछ परिवारों तक सीमित होती जा रही है, योग्य और ईमानदार लोग हाशिये पर धकेले जा रहे हैं तथा इसका लोकतंत्र, समाज और राष्ट्र के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पुस्तक इन गंभीर सवालों के जवाब तलाशने का एक प्रयास है।

साथ ही यह केवल राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, राजनीतिक भागीदारी और समान अवसर की अवधारणा पर आधारित एक वैचारिक विमर्श भी प्रस्तुत करती है। लेखक ने उम्मीद जताई कि यह पुस्तक युवाओं, शोधार्थियों और राजनीति में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

सीओ करहल ने किया थाना कुर्रा का त्रैमासिक निरीक्षण

करहल। क्षेत्राधिकारी अजय सिंह चौहान ने थाना कुर्रा का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, हवालात, मालखाना, भोजनालय, अभिलेखों, मिशन शक्ति केंद्र सहित अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण कर उनकी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने थाना परिसर में साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव, मालखाने की व्यवस्था तथा भोजनालय की गुणवत्ता का अवलोकन किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि अभिलेखों को सुव्यवस्थित रखा जाए तथा थाना परिसर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इसके अलावा मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने, अभिलेखों को अद्यतन रखने तथा जनता को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सीओ ने कहा कि नियमित निरीक्षण का उद्देश्य थाने की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाना है, ताकि आमजन को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवा मिल सके।

जल संचयन जागरूकता अभियान सप्ताह के अंतर्गत सेंट वी.पी.एस. में जल संरक्षण का जन-जागरण

विद्यार्थियों ने पोस्टर, स्लोगन, भाषण एवं सुझावों से दिया सशक्त संदेश

टीएनएफ टुडे, करहल।

जल संचयन जागरूकता अभियान सप्ताह के अंतर्गत संत विवेकानंद ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा संचालित संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल ,संत विवेकानंद पब्लिक स्कूल ,संत विवेकानंद किड्स स्कूल सेंट वी.पी.एस., सिनेमा रोड, करहल में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों की सहभागिता से जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन पर आधारित एक भव्य एवं प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा समाज को जल की प्रत्येक बूंद के महत्व से अवगत कराना था।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण, बैनर, स्लोगन लेखन, भाषण एवं सुझाव प्रस्तुति के माध्यम से जल संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया। विद्यालय परिसर 'जल है तो कल है', 'हर बूंद अनमोल है', 'जल बचाओ-जीवन बचाओ' और 'वर्षा जल संचयन अपनाएँ, भविष्य सुरक्षित बनाएँ' जैसे प्रेरणादायक नारों से गुंजायमान रहा। विद्यार्थियों ने जल की प्रत्येक बूंद के महत्व, वर्षा जल संचयन, भूजल संरक्षण, जल स्त्रोतों की स्वच्छता तथा पर्यावरण संतुलन पर अपने विचार रखते हुए सभी को जल बचाने का संकल्प दिलाया।

पोस्टर प्रतियोगिता में कक्षा 5-ए की सलोनी एवं मोहिनी, कक्षा 5-सी के हार्दिक कुमार, कक्षा 6-बी की कशिश, अलेना एवं सृष्टि, कक्षा 7-ए की पलक, कक्षा 7-बी की माही मिश्रा, माही वर्मा, पंखुड़ी गुप्ता एवं अनाया यादव, तथा कक्षा 8-ए के मनु, नवनीत एवं कृष्णा ने अत्यंत आकर्षक, कलात्मक एवं संदेशप्रधान पोस्टर बनाकर सभी का मन मोह लिया। भाषण एवं सुझाव प्रस्तुति में कक्षा 3-ए से तनुष्का, अनुष्का, जैनब एवं अविनभ; कक्षा 3-बी से पल्लवी; कक्षा 3-सी से युवराज, अनय, अर्नव, काव्या एवं विष्णु प्रताप; कक्षा 4-ए से सूर्य प्रताप, नैतिक, लविश, मोहिनी, पलक, हर्ष वर्धन, अंश एवं दिव्यांश प्रताप; कक्षा 4-बी से देवांश, कृष्णा एवं राघव; कक्षा 4-सी से सृष्टि, आस्था, आर्या, काव्यांश, अरीब एवं सोनाक्षी ने प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। इसी क्रम में कक्षा 5-ए से प्रेरणा, सृष्टि, सोना, अर्पिता, सौम्या, सलोनी, मोहिनी, निधि, वंशिका, शुभ, रुद्रांश, उदित देव, हर्ष वर्धन, प्रांशु, नैतिक, सनवील, इशु, शिव प्रताप, शिवांश, आदित्य, अंशु एवं रितिक; कक्षा 5-बी से परी, प्राची, छाया, छवि, तन्या, सोना, दृष्टि, याशी, शिवन्या, रुही एवं दिव्यांशी; कक्षा 5-सी से हार्दिक, हर्ष, अथर्व, अनुज, विराज, दिव्यांशी एवं आराध्या; कक्षा 6-ए से सौर्या, दिव्यांशी, कार्तिक, निवेदिता एवं काव्या; कक्षा 6-बी से अरीबा, अलेना, यश एवं आदित्य; कक्षा 7-ए से देवांशी एवं अनवी; कक्षा 7-बी से माही मिश्रा, माही वर्मा, दिव्या, प्राची, अनन्या, सम्राट, सौर्या एवं वैशणवी तथा कक्षा 8-ए से सृष्टि, काव्या, आयुषी, आराध्या एवं अनन्या ने अपने प्रभावशाली भाषणों एवं सुझावों के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

करहल के लाल ने नाम किया रोशन, उत्तर प्रदेश पुलिस में एसआई के पद पर चयनित हुए आशुतोष यादव

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल क्षेत्र के गांव अहलादपुर के होनहार युवक आशुतोष यादव ने उत्तर प्रदेश पुलिस में एसआई के पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आशुतोष, गांव निवासी अरविंद कुमार के पुत्र हैं। चयन की सूचना मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया और आशुतोष को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। खास बात ये है कि आशुतोष रसायन विज्ञान के अध्यापक नीटू यादव की कोचिंग के प्रिय छात्रों में से एक रहे।

आशुतोष यादव की इस सफलता से पूरे गांव में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि आशुतोष शुरू से ही मेहनती, अनुशासित और लक्ष्य के प्रति समर्पित छात्र रहे हैं। उनकी सफलता से गांव के अन्य युवाओं को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नई प्रेरणा मिलेगी।

बताया गया कि आशुतोष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और कठिन परिश्रम को दिया है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनका सपना हमेशा से पुलिस सेवा में जाकर समाज और देश की सेवा करने का रहा है, जो अब साकार हुआ है।

आशुतोष रसायन विज्ञान के शिक्षक नीटू यादव की कोचिंग के प्रिय छात्र रहे हैं। शिक्षक नीटू यादव ने अपने छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आशुतोष ने पूरी लगन और ईमानदारी से तैयारी की, जिसका परिणाम आज सभी के सामने है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल आशुतोष और उनके परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

चयन का परिणाम घोषित होने के बाद शुभचिंतक बड़ी संख्या में आशुतोष के घर पहुंचे और उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर बधाई दी। ग्रामीणों ने आशा व्यक्त की कि आशुतोष भविष्य में भी अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

बारिश के बाद उमस भरी गर्मी ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

टीएनएफ टुडे, करहल।

क्षेत्र में हुई बारिश के बाद मौसम में बदलाव तो आया, लेकिन अब उमस भरी गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सुबह से तेज धूप और वातावरण में नमी के कारण लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। दिनभर उमस के चलते लोग बेहाल नजर आए और घरों से बाहर निकलने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

बारिश के बाद बढ़ी नमी के कारण पसीना सूखने का नाम नहीं ले रहा है। बाजारों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर लोग गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए पंखे, कूलर और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते दिखाई दिए। दोपहर के समय सड़कों पर भी सामान्य दिनों की अपेक्षा कम चहल-पहल देखने को मिली।

चिकित्सको का कहना है कि उमस भरे मौसम में शरीर में पानी की कमी होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्का भोजन करने और अनावश्यक रूप से धूप में निकलने से बचने की सलाह दी गई है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के बाद गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उमस ने परेशानी और बढ़ा दी है। लोगों ने जल्द मौसम सामान्य होने की उम्मीद जताई है, ताकि भीषण उमस से राहत मिल सके। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बीच लोग अब फिर से अच्छी बारिश और ठंडी हवाओं का इंतजार कर रहे हैं।

आगामी सत्र में शिक्षा, चिकित्सा और पर्यावरण के लिए होगा काम

- नई कार्यकारिणी को दिलाई गई पद एवं गोपनीयता की शपथ
- रोटरी क्लब ऑफ कासगंज सिटी का पदस्थापना समारोह आयोजित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

सोमवार सायं होटल फोर लीफ में रोटरी क्लब ऑफ कासगंज सिटी का पदस्थापना समारोह संपन्न हुआ। नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, नव नियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

गत वर्ष के आय व्यय के ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी प्रार्थना, राष्ट्रगान एवं फोर-वे टेस्ट के साथ हुआ।रोटेरियन मुकेश शर्मा ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए गत वर्ष के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। निवर्तमान अध्यक्ष अनूप सिंघल ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए क्लब द्वारा संचालित सेवा परियोजनाओं एवं उपलब्धियों का विस्तृत विवरण दिया।इसके उपरांत डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन जसबीर सिंह भाटिया तथा इंस्टॉलेशन चेयरमैन गौरव गर्ग ने विधिवत पदस्थापना प्रक्रिया सम्पन्न कराते हुए रोटेरियन वैभव बिड़ला को अध्यक्ष तथा रोटेरियन आशीष अग्रवाल को सचिव पद की शपथ दिलाई। साथ ही रोटरी वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी एवं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन वैभव बिड़ला ने अपने उद्बोधन में क्लब की आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, युवा विकास एवं सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में प्रभावशाली एवं स्थायी कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्लब रोटरी की थीम "क्लियर लास्टिंग इम्पेक्ट के अनुरूप समाज में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य करेगा।

मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन जसबीर सिंह भाटिया ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में रोटरी के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रोटरी केवल सेवा का संगठन नहीं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने क्लब द्वारा किए जा रहे नेत्र चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवा कार्यों की विशेष प्रशंसा की और नई टीम से जनहित में और अधिक प्रभावी परियोजनाएं संचालित करने का आह्वान किया।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट रोटेरियन राजीव मित्तल तथा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी रोटेरियन विनय कृष्णा ने भी अपने संबोधन में क्लब की उपलब्धियों की सराहना करते हुए नई टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। तथा क्लब की सक्रियता एवं सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए इसे जिले के अग्रणी क्लबों में से एक बताया।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अनूप गुप्ता ने प्रभावशाली एवं गरिमापूर्ण ढंग से किया गया। कार्यक्रम के अंत में इंस्टॉलेशन चेयरमैन रोटेरियन गौरव गर्ग ने सभी अतिथियों, रोटेरियन्स एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। समारोह में शहर के गणमान्य नागरिकों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, रोटेरियन्स, रोटरेक्टर्स तथा बड़ी संख्या में आमंत्रित अतिथियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे पूरा कार्यक्रम अत्यंत भव्य एवं सफल रहा।

कांवड़ यात्रा के दौरान रूट डायवर्जन व्यवस्था होगी लागू

- पुलिस ने तैयार किया डायवर्जन रूट चार्ट
- 30जुलाई से 28अगस्त तक लागू रहेगी व्यवस्था

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

सावन मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां की हैं, कावड़ियों को जाम आदि की समस्या का सामना न करना पड़े इसके लिए वाहनों के संचालन के लिए रूट डायवर्जन व्यवस्था लागू की जाएगी पुलिस ने रूट प्लान तैयार किया है जो 30जुलाई से 28अगस्त तक लागू रहेगा।

श्रावण मास पर्व के अवसर पर कॉवड यात्रा 30.जुलाई से प्रारंभ होकर 28आगस्त तक तक जारी रहेगी। इस पर्व पर सरहदी जनपदों,राज्यों से भारी संख्या में कांवड़ियों द्वारा थाना सोरों क्षेत्रांतर्गत लहरा गंगा घाट व कछला गंगा घाट से गंगा जल ले जाकर शिव मन्दिरों में जलाभिषेक किया जाता है। इस दौरान सार्वजनिक यातायात बाधित होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के लिये

जनपद एटा से बदायूं बरेली की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को सौरभ ढाबा एटा रोड से डायवर्ट कर अमरपुर घाट बाईपास से मण्डी तिराहा कासगंज से सहावर, गंजडुण्डवारा क्षेत्र होते हुए कादरगंज गंगा पुल से जनपद बदायूं की सीमा में प्रवेश करेंगे। जबकि, हाथरस से बदायूं बरेली की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को नदरई तिराहा से सौरभ ढाबा एटा रोड से डायवर्ट कर अमरपुर घाट बाईपास से मण्डी तिराहा कासगंज से सहावर, गंजडुण्डवारा, क्षेत्र होते हुए कादरगंज गंगा पुल से जनपद बदायूं की सीमा में प्रवेश करेंगे। वहीं,अलीगढ़ से बदायूं बरेली की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को हजारा नहर पुल से मामों बाईपास से गोरहा नहर पुल से डायवर्ट कर सहावर, गंजडुण्डवारा, क्षेत्र होते हुए कादरगंज गंगा पुल से जनपद बदायूं की सीमा में प्रवेश करेंगे। जबकि कछला गंगा घाट से जनपद कासगंज की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को दुपहिया मोड़ नगरिया थाना सोरों से डायवर्ट कर कस्बा याकूतगंज से सहावर से अमांपुर कासगंज होते हुए अपने-अपने गन्तव्य को प्रस्थान करेगें।

सोरों की तरफ से बरेली बदायूं की तरफ जाने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को पुलिस चौकी नगरिया से पहले नगरिया तिराहा से सहबाजपुर होते हुए कादरगंज गंगा पुल से जनपद बदायूं की सीमा में प्रवेश करेंगे।

बदायूं की तरफ से कादरगंज गंगा पुल से आने वाले भारी वाहनों को तरसी तिराहे से पटियाली से सिढ़पुरा होते हुए अपने-अपने गन्तव्य को प्रस्थान करेगें।

छात्राओं के समर्थन में दिल्ली कूच का आह्वान पड़ा भारी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एलाऊ।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन के समर्थन में दिल्ली पहुंचने का आह्वान करना भारतीय किसान यूनियन भानू के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद सिंह चौहान को भारी पड़ गया। जनपद मैनपुरी के थाना करहल क्षेत्र के गांव डांडी कांकन निवासी अरविंद सिंह चौहान द्वारा फेसबुक के माध्यम से समर्थकों और कार्यकताओं से दिल्ली पहुंचकर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील किए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। आरोप है कि सोमवार देर रात करीब 2:00 बजे पुलिस और प्रशासनिक टीम उनके आवास पर पहुंची और उन्हें हाउस अरेस्ट कर दिया। अरविंद सिंह चौहान ने प्रशासन की इस कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और लोकतांत्रिक आंदोलन का समर्थन करने का अधिकार संविधान देता है, लेकिन प्रशासन द्वारा उन्हें घर में नजरबंद कर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया गया। आगे कहा यह लोकतंत्र की हत्या है। आप मुझे अरेस्ट कर सकते हैं, जेल भेज सकते हैं, लेकिन मेरी आवाज बंद नहीं कर सकते। देश का युवा और देश का छात्र इस देश का भविष्य है। भारतीय किसान यूनियन भानू उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उनके अधिकारों की लड़ाई में हर स्तर पर साथ देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने केवल इसलिए उन्हें घर से बाहर निकलने नहीं दिया ताकि वह दिल्ली जाकर आंदोलन में शामिल न हो सकें। उनका कहना है कि सरकार विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है, जबकि लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने का अधिकार प्राप्त है।

मुख्य बाजारों को नहीं मिल रही जाम के झाम से मुक्ति

- सड़कों एवं फुटपाथों पर फैले अतिक्रम सड़कें रह जाती हैं सकरी
- ई रिक्शा की रेलमपेल और नो एंट्री की अनदेखी से लगता है जाम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

वैसे तो पूरे शहर में ही जाम की समस्या है लेकिन मुख्य बाजारों के लिये यह जाम नासूर बन गया, सड़कों और फुटपाथों पर फैला अतिक्रमण इसका मुख्य कारण है वहीं ई रिक्शा की अधिकता और नो एंट्री की अनदेखी भी एक बड़ा कारण है।

शहर के बाजारों एवं उप बाजारों पर दृष्टिपात किया जाए तो सभी अतिक्रम से घिरे नजर आएंगे। यह अतिक्रमण गली कूचों में भी फैला हुआ है। जिसकी वजह से शहर के बाजार जाम से जूझते हैं। मुख्य बाजारों के हालात तो बहुत खराब हो जाते हैं। इसके अलावा शहर में खरीदारी को ग्रामीण अंचल से आने वाले लोग भी अपने वाहनों को जहां की तहा खड़ा कर देते है। शहर में ई रिक्शा की अधिकता है इनके संचालन को कोई रूट मैप नहीं है यह ई रिक्शा भी जमा की वजह बनते हैं। त्योहारों पर तो मुख्य बाजारों में जमा के कारण लोग आना ही नहीं चाहते इससे व्यापार भी प्रभावित होता है। जाम और अतिक्रम की समस्या नासूर बन चुकी है। ऐसा नहीं कि इस समस्या के समाधान के प्रशासन ने प्रयास न किए हों लेकिन अतिक्रमणकरियों की हठधर्मिता के सामने सफल नहीं हो सके। वर्षों पुरानी यह समस्या जस की तस है। समाधान तो सब चाहते हैं लेकिन स्वयं की भूमिका पर मंथन कोई नहीं करता यही कारण है कि इसे ज्वलंत समस्या का कोई स्थाई हल नहीं निकल पा रहा।

नो एंट्री का हो कड़ाई से पालन

शहर में नो एंट्री व्यवस्था लागू है सभी प्वाइंट पर पुलिस भी तैनात रहती है, लेकिन पुलिस कर्मियों द्वारा इसका कड़ाई से पालन नहीं कराया जाता जिससे नो एंट्री के समय में भी कॉमर्शियल वाहन मुख्य बाजारों में प्रवेश कर जाते हैं और जाम का कारण बनते हैं।

सड़कों पर पसारे अतिक्रमण पर लगे अंकुश।

शहर के मुख्य बाजारों में सड़कों पर अतिक्रमण पसरा रहता है कुछ व्यापारियों का तो पूरा कारोबार ही सड़कों से चलता है शहर के बाहरद्वारी रामलीला मंचन स्थल के इर्द गिर्द लोग सड़कों पर अतिक्रमण कर व्यापार संचालित कर रहे हैं यह स्थितबेहद खराब रहती है। प्रशासन की इस तरह के अतिक्रम पर अकुंश लगाना चाहिए।

व्यवस्थित हो ई रिक्शा का संचालन

शहर में ई रिक्शा बहुतायत में है और इनका संचालन अव्यवस्थित है। यदि इन ई रिक्शा के संचालन के लिए व्यवस्थित किया जाए, तो शहर के मुख्य बाजार जाम से राहत पा सकते हैं। यह एक प्रभावी और सस्ती यातायात व्यवस्था है और उपयोगी भी है इसका संचालन अव्यवस्थित न होकर व्यवस्थित बनाए जाने की जरूरत है।

बैठक में सुरक्षा को लेकर हुई बात

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

आगामी कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत तहसील सदर में क्षेत्राधिकारी सकीट श्री नीतीश गर्ग तथा एसडीएम सदर सुश्री श्वेता सिंह द्वारा आयोजित की गई अन्तर्विभागीय मीटिंग

आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज तहसील सदर, एटा में मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में बिजली विभाग, लोक निर्माण विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

मीटिंग में कांवड़ मार्ग पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जर्जर तारों को ठीक करने, सड़कों की मरम्मत, गड्ढों को भरने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर समयबद्ध तरीके से सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

15 सितंबर तक होंगे इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में आनलाइन नमांकन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2026-27 के तहत जिले के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के आनलाइन नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी राजकीय, सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को 15 सितंबर तक अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन कराने के निर्देश दिए हैं।

जिला विज्ञान क्लब समन्वयक डा. जयंत कुमार गुप्ता ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार की इस योजना के अंतर्गत कक्षा छह से 12 तक के छात्र-छात्राओं को नवाचार और वैज्ञानिक सोच के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। विद्यालयों में प्रार्थना सभा, नोटिस बोर्ड और अन्य माध्यमों से योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा विद्यार्थियों को मौलिक एवं उपयोगी नवाचार विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इस योजना में विद्यार्थी के प्रोजेक्ट के चयनित होने पर माडल तैयार करने के लिए 10 हजार रुपये मिलते हैं।

डीआइओएस रजनेश कुमार ने विद्यालयों को इंस्पायर अवार्ड पोर्टल पर पंजीकरण कर विद्यार्थियों के आनलाइन नामांकन कराने, नवाचार क्लब गठित करने तथा विचार प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

पवन गोयल अध्यक्ष, मयंक अग्रवाल बने महामंत्री

- श्री अग्रवाल सभा का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ संपन्न
- नए पदाधिकारियों का समाज बंधुओं ने किया फूल माला पहनाकर स्वागत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

श्री अग्रवाल सभा (रजिस्टर्ड) कासगंज की वर्ष 2026झ27 की चुनावी बैठक अग्रवाल धर्मशाला, सोरों गेट पर संपन्न हुई। सर्व सम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव हुआ नए पदाधिकारियों का समाज बंधुओं ने पुष्पहार पहनाकर कर स्वागत किया। अध्यक्ष ने सभी की साथ लेकर समाज हित में कार्य करने का वचन दिया।

वरिष्ठ समाजसेवी वीरेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने कीअध्यक्षता में चुनावी बैठक हुई । सभा के संरक्षक एवं चुनाव अधिकारी अखिलेश अग्रवाल सर्राफ ने निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई। बैठक के प्रारंभ में कोषाध्यक्ष रजत सिंघल ने वर्ष 2025-26 का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जबकि सचिव आशीष अग्रवाल ने सचिवीय आख्या प्रस्तुत की। तत्पश्चात निवर्तमान अध्यक्ष दीपक सिंघल ने अपने कार्यकाल में समाजहित में सहयोग करने वाले समाजबंधुओं का सम्मान किया।

इसके उपरांत चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हुई। अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष एवं प्रबंधक पदों के लिए विभिन्न नाम प्रस्तावित हुए, किंतु सभी समाजबंधुओं की सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारियों का निर्वाचन किया गयाअध्यक्ष पवन गोयल महामंत्री मयंक अग्रवाल,कोषाध्यक्ष युगल बंसल,प्रबंधक मयंक मित्तलको बनाया गया।चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद चुनाव अधिकारी अखिलेश अग्रवाल सर्राफ ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सर्वसम्मति से हुआ यह निर्वाचन समाज की एकता एवं सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी का शीघ्र गठन कर अग्रसेन महोत्सव सहित आगामी सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक का सफल संचालन दिलीप अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर अशोक अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, संजय अग्रवाल, दिनेश गर्ग, सौरभ सिंघल, गौरव गोयल, रिंकू अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, विवेक बंसल, अनुराग बिंदल, अनमोल अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, विशु बंसल, प्रदीप अग्रवाल, विनय बंसल सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तर पर रोजगार मेलों का आयोजन, एसआईएस ग्रुप करेगा 450 पदों पर भर्ती

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

जिला सेवायोजन कार्यालय, एटा एवं मैसर्स सिक्योरिटी स्किल काउन्सिल इंडिया लिमिटेड (एसआईएस ग्रुप एंटरप्राइज) के संयुक्त तत्वावधान में जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में ब्लॉक स्तरीय रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। इन रोजगार मेलों में एसआईएस ग्रुप द्वारा सुरक्षा जवान के 400 तथा सुपरवाइजर के 50 पदों सहित कुल 450 पदों पर योग्य पुरुष अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर चयन किया जाएगा।

जिला सेवायोजन अधिकारी विपिन कुमार यादव ने बताया कि सुरक्षा जवान पद के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम लंबाई 167.5 सेमी, वजन 56 से 90 किलोग्राम, आयु 19 से 40 वर्ष तथा शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण अथवा अनुत्तीर्ण निर्धारित की गई है। वहीं सुपरवाइजर पद हेतु न्यूनतम लंबाई 170 सेमी, वजन 56 से 90 किलोग्राम, आयु 21 से 40 वर्ष तथा शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना आवश्यक है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रारंभिक वेतनमान ?14,000 से ?30,000 प्रतिमाह प्रदान किया जाएगा। भर्ती के दौरान चयनित अभ्यर्थियों को ?350 का पंजीकरण शुल्क ऑनलाइन माध्यम से जमा करना होगा।

उन्होंने बताया कि रोजगार मेलों का आयोजन 22 जुलाई को खण्ड विकास कार्यालय निधौलीकलां, 23 जुलाई को खण्ड विकास कार्यालय अवागढ़, 24 जुलाई को खण्ड विकास कार्यालय जैथरा, 25 जुलाई को खण्ड विकास कार्यालय जलेसर, 27 जुलाई को खण्ड विकास कार्यालय मारहरा तथा 28 जुलाई को खण्ड विकास कार्यालय अलीगंज में किया जाएगा।

प्रत्येक गुरुवार को प्रातः 07:00 बजे से सायंकाल 06:00 बजे तक ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सचिवालय, जनसुविधा केंद्र अथवा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे

फिरोजबाद। जनपद में कृषकों की भूमि का एक स्थान पर संकलित विवरण प्रदर्शित करने तथा उनके भू-अधिकारों के अभिलेखीकरण के उद्देश्य से शासन के निर्देशों के अनुक्रम में फार्मर रजिस्ट्री तैयार किए जाने का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर संचालित किया जा रहा है।

जिलाधिकारी फि रोजाबाद द्वारा जारी संशोधित आदेशानुसार जनपद में शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य 3,03,341 के सापेक्ष अब तक 2,56,797 (85%) किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण की जा चुकी है। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि भविष्य में उर्वरक, बीज, पीएम-किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न शासकीय अनुदान एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री को अनिवार्य कर दिया गया है। अवशेष कृषकों को आच्छादित करने के उद्देश्य से जनपद में प्रत्येक गुरुवार को विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। प्रत्येक गुरुवार को प्रातः 07:00 बजे से सायंकाल 06:00 बजे तक ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सचिवालय, जनसुविधा केंद्र अथवा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे।

तहसील सदर, टूंडला, शिकोहाबाद, जसराना एवं सिरसागंज में उप ज़िलाधिकारी , तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को सुपर नोडल व नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जनपद के ऐसे 289 गांव जहाँ फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति कम है, वहाँ विशेष टीम लगाकर कृषकों की खतौनी, नाम मैपिंग एवं अंश निर्धारण की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराया जाएगा।

डीएम अरविन्द सिंह के निर्देश पर गैस की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई, 30 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद

मारहरा कस्बे में बिना लाइसेंस घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण व बिक्री का भंडाफोड़

- जिलाधिकारी के आदेश पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7, विस्फोटक अधिनियम, 1884 तथा द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 एवं गैस सिलेंडर नियमावली, 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत
- जनसुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, कालाबाजारी करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई : डीएम अरविन्द सिंह*

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

जिलाधिकारी अरविन्द सिंह के नेतृत्व में जनपद एटा में आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध लगातार प्रभावी अभियान संचालित किया जा रहा है। जनहित, उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा एवं जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन द्वारा ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। इसी क्रम में कस्बा मारहरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण एवं बिक्री का भंडाफोड़ किया गया। प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा छापेमारी कर 30 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए तथा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

जिला पूर्ति विभाग को प्राप्त सूचना के आधार पर 20 जुलाई, 2026 को पूर्ति निरीक्षक मारहरा, निधौली कला एवं पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से हेदरी चौक, कस्बा मारहरा, मोहल्ला शीशग्रान निवासी शकील अहमद पुत्र अकबर अली के गोदाम पर छापेमारी की गई। जांच के दौरान गोदाम में बड़ी संख्या में घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। पूछताछ में आरोपी द्वारा स्वीकार किया गया कि वह घरेलू गैस सिलेंडरों को निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बेचने के उद्देश्य से विभिन्न व्यक्तियों से एकत्र कर अपने गोदाम में रखता था।

जांच में गोदाम से कुल 30 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद हुए, जिनमें एचपी एवं इंडेन कंपनियों के भरे एवं खाली सिलेंडर शामिल हैं। आरोपी के पास घरेलू गैस सिलेंडरों के भंडारण अथवा बिक्री का कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया गया। बरामद सभी सिलेंडरों को नियमानुसार संबंधित गैस एजेंसी के सुपुर्द कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखवाया गया है।

जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी न केवल आवश्यक वस्तु अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि यह जनसुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। ऐसे अवैध भंडारण से किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है, जिससे जन-धन की हानि हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद में कालाबाजारी, जमाखोरी एवं आवश्यक वस्तुओं की अवैध बिक्री किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7, विस्फोटक अधिनियम, 1884 तथा द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 एवं गैस सिलेंडर नियमावली, 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कराया गया है। इसके साथ ही जनपद में घरेलू गैस की कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

गिल-मोसादेक को पछाड़कर नाथन स्मिथ ने जीता जून माह का खिताब

एजेंसी, नई दिल्ली।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ 'जून 2026' के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कीवी खिलाड़ी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन जैसे दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। 27 वर्षीय स्मिथ ने इंग्लैंड में खेली गई 3 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 23 की औसत से सर्वाधिक 16 विकेट चटकाए थे। न्यूजीलैंड के कई मुख्य तेज गेंदबाजों के चोट के कारण बाहर होने के बाद स्मिथ ने जिम्मेदारी संभालते हुए दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया। नाथन स्मिथ ने सोमवार को 'आईसीसी' के एक बयान में कहा, "यह वाकई बहुत खास है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। मैं आमतौर पर व्यक्तिगत अवॉर्ड के लिए नहीं खेलता, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी जरूरी बात यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया। व्यक्तिगत रूप से, जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा। न्यूजीलैंड के लिए मैं बस यही करना चाहता हूं- पूरी कोशिश करना और जिस भी तरह से हो सके, योगदान देना। दुर्भाग्य से, सीरीज के दौरान कुछ खिलाड़ी चोटिल हो गए थे, इसलिए मुझे आगे आकर नई गेंद से बॉलिंग की शुरूआत करनी पड़ी। मैंने घरेलू क्रिकेट में और पहले न्यूजीलैंड के लिए भी ऐसा किया है, लेकिन जिम्मेदारी उठाना और नई गेंद से कुछ ओवर फेंकना अच्छा लगा।"

नाथन स्मिथ का सबसे शानदार प्रदर्शन लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रहा, जहां उन्होंने दूसरी पारी में 70 रन देकर 6 विकेट लिए और मेजबान टीम की कमर तोड़ दी। उन्होंने इस यादगार मैच में कुल नौ विकेट लिए थे। दूसरे मैच में स्मिथ ने 1 विकेट निकालने के अलावा, 38 रन की पारी भी खेली। सीरीज के निर्णायक मैच में स्मिथ ने पहली पारी में 91 रन देकर 4 विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड को 82 रनों की अहम बढ़त मिली। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में दो और विकेट लिए और मेहमान टीम को यादगार सीरीज जीत दिलाई।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले कोलंबो में चार दिवसीय 'वॉर्म-अप मैच' खेलेगा भारत

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगी, जिससे पहले टीम इंडिया 7 अगस्त से कोलंबो में चार दिवसीय वॉर्म-अप मैच खेलेगी। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम 4 अगस्त को कोलंबो पहुंचेगी और वॉर्म-अप मैच खेलने से पहले कुछ प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेगी। यह मैच नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब (एनसीसी) में खेला जाएगा। एक सूत्र ने सोमवार को 'आईएएनएस' से कहा, "हां, भारतीय टीम 7 से 10 अगस्त तक एनसीसी, कोलंबो में अपना प्रैक्टिस मैच खेलेगी। इससे सभी खिलाड़ियों को मुख्य सीरीज शुरू होने से पहले वहां के हालात के हिसाब से ढलने में मदद मिलेगी।" चार दिवसीय टूर मैच के बाद, भारतीय टीम गॉल जाएगी, जहां 15 से 19 अगस्त के बीच गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा। इसके बाद सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा। दोनों मुकाबले स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप

(डब्ल्यूटीसी) के लिहाज से दोनों टीमों के लिए बहुत अहम है, क्योंकि दोनों टीमें स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं।

फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वाइंट्स टेबल में टीम इंडिया 9 मुकाबलों के बाद भारत का प्वाइंट्स प्रतिशत (पीसीटी) 48.15 है और पांचवें स्थान पर है। वहीं, श्रीलंका 44.44 पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है। सीरीज में जीत दोनों में से किसी भी टीम को फाइनल में पहुंचने की कोशिश में जरूरी बढ़ावा देगी।

भारतीय टीम साल 2017 के बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलती नजर आएगी। पिछली बार विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया ने 3-0 से जीत हासिल की थी। भारत का पिछला टेस्ट मैच जून में अफगानिस्तान के खिलाफ था, जिसमें टीम ने पारी के अंतर से शानदार जीत दर्ज की थी। दूसरी तरफ, श्रीलंका को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट टीम की घोषणा की, कप्तान पैट कमिंस की वापसी

एजेंसी, सिडनी

बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 13 सदस्यीय स्क्वॉड की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस इस वर्ष अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं, क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम में उनकी वापसी हो गई है।

पैट कमिंस ने पिछला मुकाबला दिसंबर में खेला था। इस मुकाबले के बाद से ही वे टीम से बाहर चल रहे थे। बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए पैट कमिंस के साथ ही तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड भी 13 सदस्यीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं। बांग्लादेश की टीम इन तीनों स्टार गेंदबाजों का सामना कर सकती है।

इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर होने वाले स्पिनर नाथन लियोन की वापसी हुई है। उनके साथ बैक-अप तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर और कैमरून ग्रीन को भी

टीम में शामिल किया गया है।

सिलेक्शन चेयर जॉर्ज बेली ने कहा, 'एनएसपी (नेशनल सिलेक्शन पैनल) पैट, जोश और नाथन की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। उन्होंने अपनी-अपनी चोटों से उबरने के लिए पिछले कुछ महीनों में अकेले और एसएसएसएम (स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन) टीमों के साथ मिलकर बहुत मेहनत की है।'

जॉर्ज बेली ने आगे कहा, 'हालांकि यह 13 खिलाड़ियों का स्क्वाड है, लेकिन अगर इन मैचों से पहले किसी बदलाव की जरूरत पड़ी, तो हमारे पास तैयार और उपलब्ध खिलाड़ी मौजूद हैं।' उन्होंने बताया कि जैसा कि पहले बताया गया है, अगले 12 महीनों में क्रिकेट की मात्रा और शेड्यूल को देखते हुए कई खिलाड़ियों को सभी फॉर्मेट में और मौके मिलने की संभावना है।

ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की स्टैंडिंग में सबसे ऊपर है, जबकि बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मुकाबला डॉर्विन में 13-17 अगस्त और दूसरा मुकाबला मैके में 22-26 अगस्त के बीच खेला जाएगा।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड: पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर का नाम शामिल हैं।

मनोरंजन

पति रवि दुबे को 'लक्ष्मण' बनते देख रो पड़ीं सरगुन

एक्ट्रेस सरगुन मेहता अपने पति रवि दुबे को नितेश तिवारी की फिल्म ह्यरामायणह्न में लक्ष्मण के किरदार में देखकर काफी भावुक हो गईं। इस फिल्म का ट्रेलर इस शनिवार दिल्ली में एक खास इवेंट में कुछ चुनिंदा लोगों को दिखाया गया, जहां फिल्म की टीम मौजूद थी और सरगुन भी रवि के साथ वहां पहुंची थीं।

सरगुन ने लिखा इमोशनल नोट

इवेंट की कुछ झलकियां शेयर करते हुए सरगुन ने बताया कि वह अपने पति की इस नई शुरूआत को देखकर खुद को संभाल नहीं पाईं और रोती रहीं।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का धन्यवाद किया, जिन्होंने रवि को लक्ष्मण के रोल के लिए चुना। सरगुन ने लिखा, ''मेरा दिल खुशी से भरा हुआ है। मैं रोना बंद नहीं कर पा रही हूं और अभी कुछ लिख भी नहीं पा रही हूं। 24 जुलाई 2026 को जब ट्रेलर दुनिया के सामने आएगा, उसका इंतजार है। हमें यहां तक लाने के लिए मुकेश छाबड़ा का बहुत-बहुत धन्यवाद। हमेशा आपका एहसान रहेगा। जय श्री राम।'' सरगुन ने यह भी कहा कि यह पल रवि की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने लिखा, ''हर सांस के साथ मैं भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं। यह उनकी मेहनत का फल है।''

लक्ष्मण का किरदार निभाने पर रवि दुबे

इसी इवेंट में रवि दुबे भी अपने इमोशंस नहीं छिपा पाए। लक्ष्मण का किरदार निभाने को उन्होंने भगवान का आशीर्वाद बताया।

स्टेज पर बात करते हुए रवि की आंखें नम हो गईं और उनकी आवाज भी भारी हो गई। उन्होंने फिल्म के मेकर्स का धन्यवाद किया कि उन्होंने उन पर इतना भरोसा जताया और उन्हें इस खास किरदार के लिए चुना।

ऐसी होगी 'रामायण' की स्टारकास्ट

'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। जानकारी के मुताबाकि, इसके अलावा काजल अग्रवाल मंदोदरी और रकुल प्रीत सिंह सूर्पनखा की भूमिका में हैं और कुणाल कपूर भगवान इंद्र की भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में आदिनाथ कोठारे, लारा दत्ता, शीबा चड्ढा और अरुण गोविल जैसे कलाकार भी शामिल हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म 'रामायण' मेगा बजट फिल्म है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा और दूसरा हिस्सा अगले साल दिवाली पर दस्तक देगा।

एक तय रूटीन कलाकारों के लिए जरूरी, महिमा मकवाना ने बताई इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चुनौती

भिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। आईएएनएस से खास बातचीत में महिमा ने कहा, "मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।"

महिमा ने कहा, "मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार

लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।"

काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, "अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निमार्ताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।"

उन्होंने कहा, "किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।"

वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं। यह वेब सीरीज 24 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

फिल्म 'यहां' की रिलीज के 21 साल पूरे, मनीषा लांबा ने पुराने दिनों को याद कर लिखा नोट

अभिनेत्री मनीषा लांबा और जिम्मी शेरगिल स्टारर फिल्म 'यहां' ने अपनी रिलीज के 21 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने फिल्म से जुड़ी यादों को सोशल मीडिया के माध्यम से शेयर किया। अभिनेत्री मनीषा लांबा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा क्लिप शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने सह-कलाकार जिम्मी शेरगिल की तारीफ करने के साथ निर्देशक का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, ''शूजित सरकार की फिल्म 'यहां' ने अपनी रिलीज के 21 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म में मुझे अदा का किरदार निभाने का मौका देने और मेरी जिंदगी की दिशा बदलने के लिए आपका धन्यवाद। इस फिल्म का हर सीन उन खूबसूरत यादों से भरा हुआ है, जो हमारी पहली फिल्म से जुड़ी हैं। जिम्मी शेरगिल कितने शानदार और आकर्षक लग रहे हैं।'' साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'यहां' अभिनेत्री मिनिषा लांबा की चर्चित फिल्म थी। फिल्म में अभिनेत्री के जिम्मी शेरगिल भी मुख्य भूमिका में थे। इसमें अभिनेत्री मिनिषा लांबा ने 'अदा' नाम की एक युवा कश्मीरी मुस्लिम लड़की का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे भारतीय सेना के एक अधिकारी से प्यार हो जाता है। मनिषा लांबा को संवेदनशील किरदार के लिए काफी सराहना मिली थी। शूजीत सरकार द्वारा निर्देशित फिल्म कश्मीर घाटी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक रोमांटिक वॉर ड्रामा थी, जिसमें आतंकवाद और सेना के बीच फंसी जोड़ी के प्यार को बहुत ही संवेदनशीलता के साथ पर्दे पर उतारा गया था।

फिल्म सेना के एक अधिकारी और एक कश्मीरी लड़की के बीच पनपे प्यार और समाज के दबाव के बीच के संघर्ष को दिखाती है। इस फिल्म को कश्मीर के वास्तविक और भीतरी इलाकों में शूट किया गया था, ताकि चरमपंथी क्षेत्रों में सुरक्षा के बीच दृश्य वास्ताविक तौर पर फिल्माए जा सकें।

योगी सरकार का बड़ा फैसला: नए लिंक एक्सप्रेस वे से आगरा को सीधा फायदा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- पूर्वी यूपी व बिहार से होगी कनेक्टिविटी, आगरा के यात्रियों को लखनऊ के जाम से मिलेगी मुक्ति
- 12,264 करोड़ का बजट स्वीकृत, 36 महीने में बनकर तैयार होंगे दो नए लिंक एक्सप्रेस वे
- व्यापार व पर्यटन को मिलेगी रफ्तार, नए औद्योगिक गलियारों से आगरा में सृजित होंगे रोजगार के अवसर

ताजनगरी के लोगों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रगति का बड़ा द्वार खोल दिया है। राज्य में सड़कों और कनेक्टिविटी के बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए योगी सरकार ने प्रदेश के प्रमुख एक्सप्रेस वे- आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल और गंगा एक्सप्रेस वे को आपस में जोड़कर एक एकीकृत 'एक्सप्रेस वे ग्रिड' बनाने का निर्णय लिया है। इस योजना का सबसे बड़ा सीधा लाभ आगरा के निवासियों, कारोबारियों और पर्यटकों को मिलेगा, जिनकी पूर्वी यूपी, बिहार, पश्चिमी यूपी और उत्तराखंड तक की राह अब बेहद आसान और निर्बाध हो जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल ?12,264.58 करोड़ की लागत से बनने वाले दो नए 06-लेन (08-लेन विस्तारणीय) ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे के निर्माण हेतु निविदा प्रपत्र (आरएफपी) को मंजूरी दी गई।

योगी सरकार द्वारा स्वीकृत इस योजना के तहत दो महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे 06-लेन (जो भविष्य में 08-लेन तक विस्तारणीय होंगे) बनाए जाएंगे। आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस वे से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे लिंक होगा। इस ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे की कुल लंबाई 50.98 किलोमीटर होगी और इसके निर्माण पर 4,775.84 करोड़ की लागत का अनुमान है।

वहीं आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे से गंगा एक्सप्रेस वे लिंक (वाया फरुर्खाबाद) होगा। इसकी कुल लंबाई 90.838 किलोमीटर होगी और इसके निर्माण पर 7,488.74 करोड़ का व्यय होगा।

इन दोनों प्रोजेक्ट्स का निर्माण ईपीसी मोड पर किया जाएगा। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद विकासकर्ता का चयन किया जाएगा, जिसके बाद 36 महीने (तीन साल) की समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद चयनित कंपनी अगले 5 वर्षों तक इनके रखरखाव और अनुरक्षण का काम संभालेगी।

एक्सप्रेस वे ग्रिड से आसान होगा प्रदेश का सफर

वर्तमान में आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे और गंगा एक्सप्रेसवे राज्य के अलग- अलग हिस्सों को जोड़ते हैं। हालांकि इन तीनों के बीच सीधे जुड़ाव की कमी थी। नए लिंक एक्सप्रेस वे बनने से प्रदेश में एक्सप्रेस वे का एक एकीकृत नेटवर्क तैयार होगा। इससे यात्रियों को एक एक्सप्रेस वे से दूसरे पर जाने के लिए शहर के भीतर की भीड़भाड़ वाली सड़कों से नहीं गुजरना पड़ेगा। परिणामस्वरूप सफर न केवल तीव्रगामी और सुरक्षित होगा, बल्कि समय और ईंधन दोनों की भारी बचत होगी।

इससे आगरा के लोगों को मिलेगा इसका सीधा लाभ, आगरा के निवासियों और व्यवसायियों के लिए यह फैसला किसी सौगात से कम नहीं है।

रोजगार के नए अवसर

इन परियोजनाओं के निर्माण और उसके बाद एक्सप्रेस वे के आसपास औद्योगिक गलियारे विकसित होने से आगरा और आसपास के युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों नए रोजगार सृजित होंगे।

-राकेश गर्ग, अध्यक्ष, उ.प्र. लघु उद्योग निगम लिमिटेड

पूर्वी यूपी और बिहार तक सीधी और आसान पहुंच

आगरा से पूर्वांचल (गोरखपुर, आजमगढ़, गाजीपुर) या बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों को अब लखनऊ शहर के जाम में फंसे बिना पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का सीधा लिंक मिल जाएगा।

- अमूल्य कक्कड़, अध्यक्ष, टूरिज्म गिल्ड ऑफ आगरा

मेरठ और उत्तराखंड से बेहतर कनेक्टिविटी

फर्रुखाबाद होकर गंगा एक्सप्रेस वे से जुड़ने के कारण आगरा का संपर्क मेरठ, हापुड़ और पश्चिमी यूपी के अन्य प्रमुख शहरों से भी तेज हो जाएगा।

- नेहा शिवहरे, स्थानीय निवासी

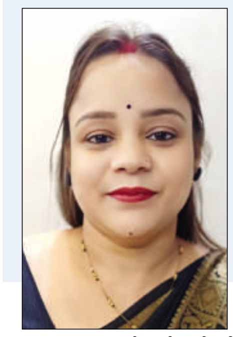

पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा

आगरा के हस्तशिल्प, पेठा उद्योग और जूता उद्योग के व्यापारियों को अपने उत्पाद राज्य के अन्य हिस्सों और राज्यों तक भेजने में कम समय और लागत लगेगी। साथ ही आगरा आने वाले पर्यटकों के लिए आवागमन और आसान होगा।

- मुकेश कुमार गर्ग, महासचिव, आगरा महानगर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन